RNI No. : TNHIN/2013/52520 | वर्ष - 13 | अंक - 286 | पृष्ठ - 8 | रु. 5/- | चेन्नई » शुक्रवार » 15-05-2026 | www.dakshinbharat.com | Email : chennai@dakshinbharat.com

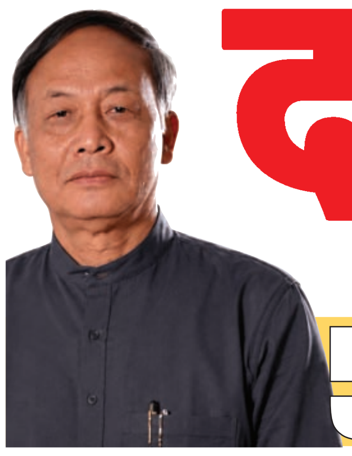

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 मणिपुर में हिंसा रोकने में राज्य और केंद्र सरकार विफल : कांग्रेस

6 दवा नहीं, जहर का कारोबार: भारत की साख पर संकट

7 नर्स बनाना चाहती थीं सनी लियोनी

18 को केरल के मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण करेंगे वी डी सतीशन

सतीशन और कांग्रेस नेताओं ने केरल के राज्यपाल से मुलाकात की, समर्थन पत्र सौंपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री पद के लिए नामित वी डी सतीशन और अन्य मंत्री 18 मई को यहां एक समारोह में शपथ लेंगे।

सतीशन ने बृहस्पतिवार को यहां पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत ओमन चांडी के घर पहुंचे और बाद में पत्रकारों को बताया कि राष्ट्रीय नेतृत्व समारोह के लिए अन्य राज्यों के नेताओं को आमंत्रित करेगा। उन्होंने कहा, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे उपस्थित रहेंगे। शपथ ग्रहण समारोह 18 मई को सुबह 10 बजे होगा। कांग्रेस के सभी नेता मौजूद रहेंगे।

पार्टी नेताओं के अनुसार शपथ ग्रहण समारोह तिरुवनंतपुरम के सेंट्रल स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा।

सतीशन ने कहा कि अन्य मंत्रियों के बारे में जल्द ही अंतिम निर्णय लिया जाएगा और इस पर शुक्रवार से चर्चा शुरू होगी। उन्होंने कहा कि जब चांडी 2006 से 2011 तक विपक्ष के नेता थे, तब उन्होंने ही उन्हें विधानसभा गतिविधियों में सबसे अधिक अवसर दिए थे। उन्होंने कहा, मेरे राजनीतिक जीवन का सबसे बड़ा नुकसान यह नहीं है कि मैं मंत्री नहीं बन सका, बल्कि यह है कि मैं ओमन चांडी सरकार में मंत्री नहीं बन सका।

सतीशन ने कहा कि वह पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन से भी मुलाकात का समय लेकर मिलेंगे।

वादों को पूरा करेंगे, 'नया केरल' बनाएंगे : सतीशन

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के भावी मुख्यमंत्री वी. डी. सतीशन ने ''इतनी बड़ी जिम्मेदारी'' सौंपने के लिए बृहस्पतिवार को कांग्रेस आलाकमान का आभार व्यक्त किया और कहा कि वह तथा अन्य नेता एक टीम के रूप में काम करते हुए 'नया केरल' बनाएंगे और जनता से किए वादों को पूरा करेंगे।

मुख्यमंत्री पद के लिए कांग्रेस आलाकमान की ओर से अपने नाम की घोषणा के बाद सतीशन ने यह भी कहा कि अब केरल में नया युग शुरू होगा।

सतीशन ने संवाददाताओं से कहा, ''केरल के लोगों ने हमें एक बड़ी जिम्मेदारी दी है। उन्होंने 10 साल लंबे वामपंथी शासन को समाप्त किया और 140 विधानसभा सीटों में से 102 सीटों पर हमें जीत दिला कर सत्ता सौंपी। इसलिए, हमने जनता से जो वादा किया है, हम उसे एक-एक करके पूरा करेंगे।''

उनका कहना था, ''हम सभी लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने, केरल को बदलने, एक नया केरल बनाने और 'पुथु युगम' (नया युग) शुरू करने के लिए समर्पण के साथ कड़ी मेहनत करेंगे।''

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने स्पष्ट किया

कर्नाटक के स्कूलों में भगवा गमछों की अनुमति नहीं

हिजाब, पगड़ी, रुद्राक्ष और जनेऊ जैसी पहले से प्रचलित प्रथाएं जारी रहेंगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु (कर्नाटक)/भाषा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बृहस्पतिवार को स्पष्ट किया कि धार्मिक प्रतीकों पर राज्य सरकार के आदेश के तहत शैक्षणिक संस्थानों में भगवा गमछों की अनुमति नहीं दी जाएगी, जबकि हिजाब, पगड़ी, रुद्राक्ष और जनेऊ जैसी पहले से प्रचलित प्रथाएं जारी रहेंगी।

मुख्यमंत्री ने मैसूरु में संवाददाताओं से बातचीत में स्पष्ट किया कि जो धार्मिक पोशाक पहले से चलन में हैं, केवल उन्हीं की अनुमति दी जाएगी।

कर्नाटक सरकार ने बुधवार को एक आदेश पारित कर विद्यालयों में छात्रों को हिजाब, जनेऊ, शिवधारा और रुद्राक्ष पहनने की अनुमति दी थी। इस आदेश ने भारतीय जनता पार्टी की सरकार के 2022 के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें 'हिजाब बनाम भगवा गमछा' विवाद के बाद सरकारी विद्यालयों में हिजाब पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

विपक्ष ने इस कदम की आलोचना करते हुए इसे ''तुष्टीकरण की राजनीति'' करार दिया है। हिंदू दक्षिणपंथी संगठनों के एक वर्ग ने विद्यालयों में भगवा गमछा पहनने की चेतावनी दी थी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि इसकी अनुमति नहीं होगी।

सिद्दरामय्या ने पत्रकारों से कहा, ''भगवा गमछों की अनुमति नहीं है। वे गमछे नहीं पहने जा सकते। पगड़ी, जनेऊ, शिवधारा, रुद्राक्ष और हिजाब पहने जा सकते हैं।''

– विस्तृत समाचार पृष्ठ 3 पर

फर्स्ट टेक

उत्तर प्रदेश में आंधी-बारिश से तबाही, 111 लोगों की मौत

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में तेज तूफान और भारी बारिश के कारण पेड़ और बिजली के खंभे उखड़ गये और मकानों को नुकसान पहुंचा तथा कम से कम 111 लोगों की मौत हो गयी और 72 लोग घायल हो गये। राहत आयुक्त कार्यालय ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को बेमौसम बारिश, आंधी और बिजली गिरने से हुई जानमाल की हानि और क्षति का संज्ञान लिया तथा अधिकारियों को 24 घंटे के भीतर प्रभावित परिवारों तक राहत पहुंचाने का निर्देश दिया। राहत आयुक्त कार्यालय ने बृहस्पतिवार शाम जारी एक बयान में कहा, ''13 मई को खराब मौसम, तूफान, बारिश, ओलावृष्टि और बिजली गिरने के कारण 26 जिलों से 111 लोगों की मौत की खबरें मिलीं। राज्य में 72 लोग घायल हुए, 170 पशु हानि और 227 घरों को नुकसान हुआ।''

भारतीय पर्यटकों पर कोई नया प्रतिबंध नहीं लगाया : नेपाल

काठमांडू/भाषा। नेपाल ने बृहस्पतिवार को उन मीडिया रिपोर्ट को पूरी तरह से झूठा और बेबुनियाद करार दिया, जिनमें कहा गया है कि हिमालयी देश में प्रवेश करने वाले भारतीय नागरिकों को विभिन्न प्रतिबंधों और परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उसने कहा कि भारत से आने वाले पर्यटकों पर कोई नया प्रतिबंध नहीं लगाया गया है। नेपाल के पर्यटन बोर्ड ने एक बयान में कहा कि नेपाल और भारत के बीच खुली सीमा व्यवस्था और द्विपक्षीय समझौते बरकरार हैं तथा दोनों देशों के बीच लंबे समय से जारी व्यक्ति से व्यक्ति संबंधों, सांस्कृतिक रिश्तों और पर्यटन सहयोग में कोई बदलाव नहीं किया गया है। पर्यटन विभाग के अधिकारियों ने उन मीडिया रिपोर्ट को खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया है कि नेपाल की यात्रा करने वाले भारतीय नागरिकों को विभिन्न प्रतिबंधों और परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

इज़राइल और अमेरिका की निंदा करे ब्रिक्स : ईरान

नई दिल्ली/भाषा। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने बृहस्पतिवार को कहा कि ईरान ''अवैध विस्तारवाद और युद्धोन्माद'' का शिकार है तथा ब्रिक्स देशों को अंतरराष्ट्रीय कानून के उल्लंघन को लेकर अमेरिका तथा इजराइल की ''स्पष्ट रूप से निंदा'' करनी चाहिए। अराघची ने यह बात नई दिल्ली में दो दिवसीय ब्रिक्स सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर कही, जिसकी अध्यक्षता विदेश मंत्री एस जयशंकर ने की और जिसमें रूस, ब्राजील तथा संगठन के अन्य सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों ने भाग लिया। उन्होंने कहा, ''सच्चाई यह है कि ईरान, कई अन्य स्वतंत्र देशों की तरह, अवैध विस्तारवाद और युद्धोन्माद का शिकार है।

15-05-2026 सूर्यास्त 6:27 बजे	16-05-2026 सूर्योदय 5:43 बजे
BSE 75,398.72 (+789.74)	NSE 23,689.60 (+277.00)
सोना 165,613 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 298,000 रु. प्रति किलो

शी चिनफिंग ने ताइवान मुद्दे पर ट्रंप को चेतावनी दी

बीजिंग/भाषा। ईरान युद्ध, ऊर्जा सुरक्षा और व्यापार जैसे व्यापक मुद्दों पर विस्तृत चर्चा के बीच चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने बृहस्पतिवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को चेतावनी दी कि ताइवान मुद्दे को गलत तरीके से संभालने से दोनों देशों के बीच ''टकराव और यहां तक कि संघर्ष'' की स्थिति पैदा हो सकती है। बीजिंग में लगभग दो घंटे तक हुई वार्ता के पहले दौर के समापन के बाद, ट्रंप ने चिनफिंग और उनकी पत्नी को 24 सितंबर को व्हाइट हाउस में आमंत्रित किया, जबकि दोनों नेता इस बात पर सहमत थे कि वैश्विक ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलना आवश्यक है। चीनी राष्ट्रपति ने कहा कि चीन और अमेरिका रचनात्मक द्विपक्षीय संबंधों के निर्माण के लिए एक ''नए दृष्टिकोण'' पर सहमत हुए हैं। बैठक के बाद चिनफिंग ने कहा, ''मैंने राष्ट्रपति ट्रंप के साथ रणनीतिक स्थिरता के रचनात्मक चीन-अमेरिका संबंधों के निर्माण के एक नए दृष्टिकोण पर सहमति व्यक्त की है।''

सरकारी मीडिया के अनुसार, चिनफिंग ने कहा कि यह ''नया दृष्टिकोण'' अगले तीन वर्षों और उससे आगे द्विपक्षीय संबंधों के लिए रणनीतिक मार्गदर्शन प्रदान करेगा तथा दोनों देशों के लोगों

भोजशाला विवाद :

आज आने वाले फैसले पर टिकीं सभी पक्षों की नजरें

इंदौर/भाषा। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने धार के भोजशाला मंदिर-कमाल मौला मस्जिद परिसर की धार्मिक प्रकृति के विवाद के मामले में फैसला सुनाने के लिए 15 मई (शुक्रवार) की तारीख तय की है। मामले से जुड़े वकीलों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ के न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला और न्यायमूर्ति आलोक अवस्थी की खंडपीठ ने इस मामले से संबंधित पांच याचिकाओं और एक रिट अपील पर छह अप्रैल से नियमित सुनवाई शुरू की थी। सभी संबद्ध पक्षों को सुनने के बाद खंडपीठ ने 12 मई (मंगलवार) को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

निर्वाचन आयोग ने 16 राज्यों, तीन केंद्र शासित प्रदेशों में की

एसआईआर के तीसरे चरण की घोषणा

- इस चरण में दिल्ली, ओडिशा, मिजोरम, सिक्किम, मणिपुर, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़, तेलंगाना, पंजाब, कर्नाटक, मेघालय, महाराष्ट्र, झारखंड, नगालैंड, त्रिपुरा, दादर और नगर हवेली तथा दमन और दीव में एसआईआर होगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग ने बृहस्पतिवार को 16 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में 30 मई से चरणबद्ध तरीके से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तीसरे दौर की शुरुआत की घोषणा की।

निर्वाचन आयोग ने एक बयान में कहा कि इस चरण में दिल्ली, ओडिशा, मिजोरम, सिक्किम, मणिपुर, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़, तेलंगाना, पंजाब, कर्नाटक, मेघालय, महाराष्ट्र, झारखंड, नगालैंड, त्रिपुरा, दादर और नगर हवेली तथा दमन और दीव में एसआईआर होगा।

पंजाब, झारखंड, कर्नाटक और तेलंगाना उन विपक्ष शासित राज्यों में हैं जहां एसआईआर की प्रक्रिया संचालित होगी।

एसआईआर के तीसरे चरण के दौरान 3.94 लाख से अधिक बूथ स्तरीय अधिकारी 36.73 करोड़ मतदाताओं से घर-घर जाकर जानकारी जुटाएंगे। उनकी सहायता के लिए राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त 3.42 लाख बूथ स्तरीय एजेंट होंगे। बयान में कहा गया कि हिमपात वाले क्षेत्रों हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में मौसम की स्थिति को ध्यान में रखते हुए एसआईआर का कार्यक्रम बाद में घोषित किया जाएगा।

एसआईआर का तीसरा चरण पूरा होने के बाद हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर और लद्दाख को छोड़कर पूरे देश में यह कवायद संपन्न हो जाएगी।

भारत एलपीजी ला रहे दो टैंकर ने होर्मुज को पार किया, एक भारतीय नौका हमले में डूबी

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच भारत के लिए एलपीजी लेकर आ रहे दो टैंकर ने होर्मुज जलडमरूमध्य को पार कर लिया है, जबकि इसी क्षेत्र के पास हुए हमले में एक भारतीय नौका डूब गई। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव मुकेश मंगल ने बताया कि 'सिमी' नामक एलपीजी टैंकर 13 मई को जलडमरूमध्य पार कर गया, जबकि 'एनवी सनशाइन' टैंकर ने बृहस्पतिवार को सुरक्षित रूप से इस मार्ग को पार किया। अमेरिका-इजराइल के हमलों और ईरान की जवाबी कार्रवाई के बाद यह समुद्री मार्ग प्रभावी रूप से बाधित था, लेकिन अब तक कुल 13 भारतीय पोत इस मार्ग से निकल चुके हैं। हालांकि, भारत के ध्वज वाली मशीनी पाल नौका 'हाजी अली' बुधवार तड़के ओमान के जलक्षेत्र में हमले का शिकार हो गई। इस हमले में लकड़ी के इस पोत में आग लग गई और बाद में यह डूब गई। यह नौका सोमालिया से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के शारजाह की तरफ जा रही थी। मंगल ने कहा, पोत पर सवार चालक दल के सभी 14 सदस्यों को ओमान तटरक्षक बल ने सुरक्षित बचा लिया है। वे ओमान के डिब्बा बंदरगाह पहुंच चुके हैं और सभी सुरक्षित हैं।

भारत ने वैश्विक चुनौतियों से बेहतर तरीके से निपटने के लिए व्यावहारिक रास्ते खोजने का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने बृहस्पतिवार को पश्चिम एशिया के संकट और होर्मुज जलडमरूमध्य में तेल आपूर्ति तथा समुद्री स्थिरता पर इसके प्रभाव पर गंभीर चिंता जताते हुए ब्रिक्स देशों से भू-राजनीतिक उथल-पुथल से बेहतर ढंग से निपटने के लिए ''व्यावहारिक तरीके'' खोजने का आग्रह किया।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने यह टिप्पणी यहां आयोजित ब्रिक्स सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में की जिसमें ईरान, रूस, ब्राजील और समूह के कई अन्य सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों ने भाग लिया। उन्होंने किसी देश विशेष का नाम लिए बिना कहा कि अंतरराष्ट्रीय संबंध संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता पर आधारित होने चाहिए और किसी संघर्ष के समाधान के लिए 'संवाद और कूटनीति' ही सतत मार्ग प्रदान करते हैं।

जयशंकर ने कहा कि भारत तनाव कम करने की कोशिशों में अच्छा योगदान देने और स्थिरता बहाल करने की कोशिशों को समर्थन देने के लिए तैयार है। साथ ही, उन्होंने कहा कि ''शांति टुकड़ों में नहीं हो सकती'' और ''अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करना, आम लोगों की रक्षा करना और सार्वजनिक ढांचे को निशाना बनाने से बचना ज़रूरी है।''

विदेश मंत्री ने होर्मुज जलडमरूमध्य और लाल सागर से सुरक्षित और निर्बाध समुद्री आवाजाही सुनिश्चित करने की भी ज़ोरदार वकालत की और गाजा में लड़ाई के 'गंभीर मानवीय असर' पर चिंता जताई।

भारत की मेजबानी में हुई यह बैठक इसलिए और भी जरूरी हो गई है क्योंकि यह प्रभावशाली समूह पश्चिम एशिया संकट के आर्थिक नतीजों, खासकर ऊर्जा आपूर्ति में भारी रुकावटों और व्यापार तथा शुल्क पर अमेरिका की नीति से जूझ रहा है।

जयशंकर ने कहा, ''पश्चिम एशिया में संघर्ष पर खास ध्यान देने की ज़रूरत है। लगातार तनाव, समुद्री यातायात के लिए जोखिम और ऊर्जा ढांचे में रुकावटें स्थिति की नाजुकता को दिखाती हैं।''

आय से अधिक संपत्ति मामले में

राहुल गांधी के खिलाफ सीबीआई-ईडी को जांच का निर्देश

लखनऊ/भाषा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को कांग्रेस सांसद एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोपों की जांच करने का निर्देश दिया है। अदालत ने जांच की प्रगति रिपोर्ट 20 जुलाई को पेश करने को कहा है। न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान और न्यायमूर्ति जफीर अहमद की खंडपीठ ने यह आदेश कर्नाटक के एक भाजपा कार्यकर्ता एस. विग्नेश शिशिर द्वारा दायर एक आपराधिक रिट याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

परिणाम समीक्षा

आप जिन्हें चिड़िया समझे,
वे निकल गए खूंखार बाज।
जो सबको नंगा करते थे,
उनकी ही उघड़ी आज लाज।
नेता बनने की जिन्हें चाह,
वे बाबाजी हो गए आज।
जो आए थे बाबा बनने,
वे नेता बनकर धरे ताज।।

भारत 2047 तक वैश्विक महाशक्ति बनेगा, नहीं रुकेगा विकास : राजनाथ सिंह

जोधपुर/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत ने वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक चुनौतियों के बीच 38 देशों के साथ व्यापार समझौते करके अद्वितीय राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिचय दिया है। उन्होंने विश्वास जताया कि वर्ष 2047 तक कोई भी शक्ति भारत को वैश्विक महाशक्ति बनने से नहीं रोक पाएगी।

उन्होंने कहा कि प्रतिकूल अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों में भी भारत मजबूती और कौशल के साथ आगे बढ़ रहा है।

सिंह ने कहा, भारत की राजनीतिक इच्छाशक्ति हाल ही में व्यापार समझौतों के मामले में स्पष्ट रूप से दिखाई दी है। पश्चिम एशिया संकट से जूझ रहा है, फिर भी प्रधानमंत्री मोदी विषम परिस्थितियों में देश को आगे ले जा रहे हैं। किसी अन्य देश ने वह हासिल नहीं किया जो भारत ने किया है। वैश्विक तनावों के बावजूद भारत ने 38 देशों के साथ व्यापार समझौते किए हैं, जो व्यापार इतिहास में एक मील का पत्थर है।

मुंबई ने पंजाब किंग्स को छह विकेट से हराया

धर्मशाला/भाषा। शारदुल ठाकुर की धारदार गेंदबाजी बाद तिलक वर्मा के तूफानी अर्धशतक से मुंबई इंडियन्स ने इंडियन प्रीमियर लीग में बृहस्पतिवार को यहां पंजाब किंग्स को छह विकेट से हरा दिया जो मेजबान टीम की लगातार पांचवीं हार है। पंजाब के 201 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए प्ले ऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी मुंबई की टीम ने तिलक वर्मा (75 रन, 33 गेंद, छह चौके, छह छक्के) के तेजतर्रार अर्धशतक से 19.5 ओवर में चार विकेट पर 205 रन बनाकर जीत दर्ज की।

दिल्ली में स्लीपर बस में महिला से सामूहिक बलात्कार, दो गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के मंगोलपुरी इलाके में काम से घर लौट रही 30 वर्षीय एक शादीशुदा महिला को एक निजी स्लीपर बस के अंदर कथित तौर पर घसीटकर ले जाया गया और चालक व परिचालक ने उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया। इस बाबत दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

साल 2012 के निर्भया सामूहिक बलात्कार कांड की याद दिलाने वाली यह घटना 11 मई को हुई।

पुलिस सूत्रों ने घटना का ब्यौरा देते हुए बताया कि महिला मंगोलपुरी इलाके की एक फैक्टरी में काम करने के बाद घर लौट रही थी और सरस्वती विहार के बी-ब्लॉक बस स्टैंड के पास पहुंचते ही उसने आरोपियों में से एक को बस के दरवाजे के पास खड़ा देखा और उससे समय पूछा। इसके बाद आरोपी ने उसे कथित तौर पर बस के अंदर खींच लिया और बस को नांगलोई की ओर ले जाकर उसके साथ बलात्कार किया। विवाहिता और तीन बच्चों की मां के बयान के अनुसार, दोनों पुरुषों ने बारी-बारी से उसके साथ बलात्कार किया।

एक पुलिस अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि जिस समय महिला पर हमला हुआ उस समय बस नांगलोई मेट्रो स्टेशन के पास खड़ी थी। बस को जब्त कर लिया गया है।

दिल्ली में मौजूद 'रिमोट कंट्रोल' से चलेगी केरल की कांग्रेस सरकार : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने वी डी सतीशन को केरल का अगला मुख्यमंत्री चुने जाने संबंधी फैसले को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि यह कदम पार्टी के भीतर ''आंतरिक कलह'' को उजागर करता है और इससे पता चलता है कि यह ''रिमोट कंट्रोल से चलने वाली सरकार'' होगी। भाजपा ने दावा किया कि मुख्यमंत्री का चयन कांग्रेस विधायकों की पसंद नहीं बल्कि उसके सहयोगी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) का निर्णय था जो संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) गठबंधन का दूसरा सबसे बड़ा घटक दल है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में दावा किया कि कांग्रेस पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने प्रदेश इकाई पर यह निर्णय थोपा है। उन्होंने कहा, ''यह स्पष्ट है कि केरल के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार का फैसला नई दिल्ली में हुआ है, न कि केरल में। यह घोषणा दिल्ली स्थित अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) मुख्यालय से की गई, जिससे पता चलता है कि यह 'रिमोट कंट्रोल से संचालित सरकार' होगी।'' भाजपा नेता ने यह भी दावा किया कि केरल में नेतृत्व के चयन को लेकर गांधी परिवार में मतभेद था। उन्होंने कहा कि सतीशन का चयन ''प्रियंका गांधी वाद्रा के दबाव'' के कारण हुआ, जो ''किसी भी कीमत पर

राहुल गांधी की पसंद के उम्मीदवार के.सी. वेणुगोपाल को नहीं चाहती थीं''। उन्होंने दावा किया, ''प्रियंका गांधी वाद्रा के.सी. वेणुगोपाल के सख्त खिलाफ थीं। दरअसल, केरल में सत्ता किसके हाथ में होगी, इसे लेकर परिवार में जबरदस्त विवाद हुआ।''

पूनावाला ने केरल में कांग्रेस नेता की घोषणा में देरी के लिए आंतरिक मतभेदों और गठबंधन सहयोगियों के दबाव को भी जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, ''11 दिन के बाद आखिरकार कांग्रेस पार्टी ने वी डी सतीशन जी को अपना नेता घोषित कर दिया है और इसका मतलब है कि वह अगले मुख्यमंत्री होंगे। ऐसा दो तरह के दबावों के चलते हुआ है। जमात और आईयूएमएल ने कांग्रेस को कड़ी चेतावनी दी थी। इसलिए यह स्पष्ट रूप से मुस्लिम वोट बैंक का प्रभाव है।'' भाजपा प्रवक्ता ने कर्नाटक में कांग्रेस सरकारों का उदाहरण देते हुए आरोप लगाया कि गुटबाजी और आपसी खींचतान की समस्या केरल में भी पार्टी को परेशान करती रहेगी। उन्होंने दावा किया, ''यह कर्नाटक की कांग्रेस सरकार के मॉडल जैसा ही होगा। वहां डी.के. शिवकुमार और सिद्धरमैया के बीच टकराव है। यहां मुकाबला सतीशन बनाम के सी वेणुगोपाल बनाम चेन्निथला बनाम शशि थरूर के बीच होगा। यहां चारपांच दावेदार होंगे जो लगातार माहौल को अस्थिर करते रहेंगे।'' पूनावाला ने कहा कि इसी तरह के आंतरिक संघर्षों ने हिमाचल प्रदेश, पंजाब और राजस्थान जैसे राज्यों में भी कांग्रेस की सरकारों को प्रभावित किया।

महाराष्ट्र में वरकारियों के लिए सुरक्षित और समर्पित मार्ग बनेगा, 80 प्रतिशत काम पूरा : गडकरी

पुणे/भाषा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि महाराष्ट्र में पंढरपुर की वार्षिक तीर्थयात्रा करने वाले लाखों वरकारियों के लिए सुरक्षित और सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से तैयार किए जा रहे ''पालखी मार्ग'' का करीब 80 प्रतिशत काम पूरा कर लिया गया है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री गडकरी ने यहां डाइव घाट-हडपसर खंड का निरीक्षण करने के बाद कहा कि मार्ग के शेष हिस्सों का काम अगले चार से छह महीनों में पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि वरकारियों की सुरक्षा के लिए राजमार्ग में 3.5 मीटर चौड़ी समर्पित लेन बनाई गई है जिसका उपयोग पैदल चलने वाले वरकारी करेंगे। गडकरी ने कहा, ''इससे 'वारी' यात्रा सुरक्षित और व्यवस्थित बनी रहेगी। इसके अलावा वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए बिजली चालित लिफ्ट वाले फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) भी बनाए जा रहे हैं।'' हर वर्ष आषाढ़ी और कार्तिकी एकादशी पर भगवान विट्ठल के लाखों 'वरकारी' (श्रद्धालु) सोलापुर जिले के पंढरपुर स्थित मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचते हैं। वरकारी अपनी 'वारी' यात्रा के दौरान संत ज्ञानेश्वर महाराज और संत तुकाराम महाराज की पालकियां लेकर चलते हैं।

केजरीवाल गोवा में मंदिर पहुंचे, राजनीति पर बात करने से किया इनकार

पणजी/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल बृहस्पतिवार को उत्तरी गोवा के एक मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने राजनीति से संबंधित सवालों का जवाब देने से इनकार कर दिया। केजरीवाल बुधवार को तीन दिवसीय दौरे पर तटीय राज्य गोवा पहुंचे और सियोलिम गांव स्थित श्री स्वामी समर्थ परिवार मंदिर गए। उनके साथ दिल्ली की नेता प्रतिपक्ष आतिशी मार्लेना, पार्टी के गोवा इकाई के अध्यक्ष वाल्मीकि नाइक और अन्य लोग भी थे।

केजरीवाल ने मीडिया द्वारा 2027 के गोवा विधानसभा चुनावों के बारे में पूछे जाने पर कहा, ''माफ़ कीजिए। मैं मंदिर में राजनीति के बारे में बात नहीं करना चाहता। केजरीवाल ने कहा कि उन्होंने गोवावासियों की समृद्धि और खुशहाली के लिए प्रार्थना की। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से कहा, ''मुझे यहां आकर अच्छा लगा। मैंने गोवावासियों के कल्याण और समृद्धि के लिए प्रार्थना की। आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा है कि उसके संयोजक की यह यात्रा गोवा पर पार्टी के बढ़ते ध्यान और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राज्य में जमीनी स्तर पर संगठन का विस्तार करने की उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। राज्य में अगले साल चुनाव होने हैं।

सतीशन को केरल का मुख्यमंत्री बनाए जाने के बाद चेन्निथला घर से चले गए

तिरुवनंतपुरम/भाषा। कांग्रेस द्वारा वीडी सतीशन को केरल का अगला मुख्यमंत्री घोषित किए जाने के तुरंत बाद पार्टी के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला बृहस्पतिवार को अपने आवास से चले गए। चेन्निथला भी मुख्यमंत्री पद के लिए संभावित उम्मीदवारों में शामिल थे। कांग्रेस द्वारा मुख्यमंत्री की घोषणा किए जाने के बाद पत्रकार यहां वझुथाकाउड स्थित चेन्निथला के आवास पर पहुंचे। कांग्रेस नेता ज्योति कुमार चमाक्कला ने पत्रकारों को बताया कि चेन्निथला घर पर नहीं हैं और पहले ही निकल चुके थे। चमाक्कला ने शाम को बताया कि चेन्निथला गुरुवायूर स्थित भगवान कृष्ण मंदिर गए हैं और उनके संपर्क में हैं।

चेन्नथिला कांग्रेस की कार्यकारी समिति के सदस्य भी हैं। उन्होंने बताया, वह (चेन्नथिला) गुरुवायूर के रास्ते में हैं। अगर खबरें सही हैं, तो उन्होंने पार्टी को अपना रुख बता दिया है और अपना समर्थन भी दे दिया है। चमाक्कला ने कहा कि चेन्निथला घर के दूसरे दरवाजे से बाहर निकले। उन्होंने कहा,आप लोग एक दरवाजे पर उनका इंतजार कर रहे थे, लेकिन वे दूसरे दरवाजे से बाहर निकल गए। वह बाद में जवाब देंगे। ऐसी खबरें सामने आई थीं कि चेन्निथला ने कांग्रेस के फैसले पर आपत्ति जताई है और वह बृहस्पतिवार को होने वाली कांग्रेस विधायक दल की बैठक में शामिल नहीं होंगे।

कांग्रेस और जनता की सेवा को देखते हुए सतीशन मुख्यमंत्री पद के हकदार थे: थरूर

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने बृहस्पतिवार को केरल के मुख्यमंत्री पद के लिए वी डी सतीशन के चयन की सराहना करते हुए कहा कि उनके दढ़ संकल्प और पार्टी एवं जनता के लिए की गई उनकी वर्षों की सेवा को स्वीकारोक्ति मिली है। हालिया विधानसभा चुनाव में बड़े पैमाने पर प्रचार करने वाले थरूर ने यह भी कहा कि यह किसी एक व्यक्ति की जीत नहीं, बल्कि ''टीम यूडीएफ'' के लिए जनादेश है। थरूर ने 'एक्स' पर कहा, ''वी.डी. सतीशन जी को कांग्रेस विधायक दल का नेता जाने पर हार्दिक बधाई, यह उनकी दृढ़ संकल्प, दृढ़ विश्वास और हमारी पार्टी और लोगों के लिए वर्षों की समर्पित सेवा की एक उपयुक्त स्वीकारोक्ति है। तिरुवनंतपुरम से लोकसभा सदस्य ने कहा, ''मैंने उनके साथ प्रचार किया और उनकी नियुक्ति से मैं खुश हूं।'' थरूर ने कहा, '' हम सभी को यह एहसास है कि जिस जनादेश ने उन्हें पद तक पहुंचाया है, वह एक व्यक्ति की जीत नहीं है, यह टीम यूडीएफ के लिए जनादेश है। यह सुनिश्चित करने में प्रत्येक वरिष्ठ नेता की महत्वपूर्ण भूमिका और जिम्मेदारी है कि यह सरकार केरल के लोगों की उम्मीदों पर खरी उतरे।

नीट प्रश्नपत्र लीक मामले में संलिप्त परीक्षा माफिया को बख्शा नहीं जाएगा : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार ने नीट प्रश्नपत्र लीक मामले को ''अत्यंत गंभीरता और संवेदनशीलता'' से लिया है तथा पार्टी ने छात्रों और अभिभावकों को इसमें शामिल सभी लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने यहां पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों से कहा, ''किसी को बख्शा नहीं जाएगा, खासकर इस परीक्षा माफिया को जो हमारे बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ करने की कोशिश कर रहा है।''

मेडिकल पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित नीट-यूजी, 2026 परीक्षा को राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने मंगलवार को प्रश्नपत्र लीक के आरोपों के बीच रद्द कर दिया। मामले की जांच कर रहे केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने अब तक पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। प्रवेश परीक्षा रद्द होने से 22 लाख से अधिक अभ्यर्थियों और उनके परिवारों में अनिश्चितता का माहौल है। इस मुद्दे को ''संवेदनशील और दुखद'' बताते हुए पात्रा ने कहा कि यह न केवल 22 लाख छात्रों से संबंधित है, बल्कि उनके माता-पिता की भावनाओं को भी प्रभावित करता है। भाजपा सांसद ने कहा, ''जैसे ही भंडाफोड़ करने वाले एक व्यक्ति ने इस मुद्दे को उजागर किया, बिना किसी झिझक या टालमटोल का रवैया अपनाए बिना तुरंत कार्रवाई शुरू की गई और परीक्षा रद्द कर दी गई।

राज ठाकरे ने 'नीट' की आवश्यकता पर सवाल उठाया, शिक्षा मंत्री प्रधान के इस्तीफे की मांग की

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट)-स्नातक (यूजी) की आवश्यकता पर सवाल उठाते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। नीट-यूजी 2026 के रद्द होने के बाद व्यापक विरोध प्रदर्शनों के बीच राज ठाकरे ने यह मांग की। मनसे प्रमुख ने कहा कि सरकार हर चीज को एक केंद्रीकृत प्राधिकरण के अधीन लाने के लिए इतनी 'अति उत्साही' है कि उसे इस बात की कोई परवाह नहीं है कि लाखों लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त ही क्यों न हो जाए।

एमएसपी में बढ़ोतरी से पंजाब के किसानों को बहुत लाभ होगा : भाजपा नेता चुघ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने केंद्र द्वारा 14 खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि किए जाने का बृहस्पतिवार को स्वागत करते हुए कहा कि इससे पंजाब के किसानों सहित कृषि समुदाय को बहुत लाभ होगा।

केंद्र सरकार ने बुधवार को 2026-27 के खरीफ सत्र के लिए धान के एमएसपी में 72 रुपए की बढ़ोतरी करके इसे 2,441 रुपए प्रति क्विंटल कर दिया जबकि दालों, तिलहन और कपास के लिए कीमतों में और अधिक वृद्धि का उद्देश्य

आयात पर निर्भरता को कम करना और फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करना है। चुघ ने कहा कि ग्रेड ए धान के लिए एमएसपी अब 2,461 रुपए प्रति क्विंटल और लंबे रेशे वाली कपास के लिए एमएसपी 8,667 रुपए प्रति क्विंटल होने से पंजाब के किसानों को भारी लाभ होगा। भाजपा महासचिव ने पंजाब की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर राज्य के किसानों के लिए कुछ भी नहीं किया है। उन्होंने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ही है जो पंजाब के अन्नदाताओं को साल दर साल बिना किसी रुकावट के वास्तविक, ठोस और जमीनी स्तर के लाभ पहुंचाती रहती है। उन्होंने एक बयान में कहा, ''जब प्रधानमंत्री मोदी के निर्णायक, गतिशील और दूरदर्शी नेतृत्व की लहर पर सवार होकर भाजपा पंजाब में अपनी सरकार बनाएगी, तो राज्य के किसान यह अनुभव करेंगे कि व्यवहार में एक सच्ची 'डबल इंजन' सरकार का क्या अर्थ होता है।'' चुघ ने कहा, ''एमएसपी पर सीधी खरीद से हर गांव तक लाभ पहुंचेगा, कृषि अवसंरचना में निवेश कई गुना बढ़ेगा और कांग्रेस द्वारा लूटे गए तथा आम आदमी द्वारा उपेक्षित पंजाब के लंबे समय से पीड़ित किसानों को अंततः वह सम्मान और समृद्धि मिलेगी जिसके वे वास्तव में हकदार हैं।''

ईडी ने गेम्सक्राफ्ट के खिलाफ पीएमएलए मामले में 526 करोड़ रुपए की जमा राशि पर रोक लगाई

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म गेम्सक्राफ्ट के खिलाफ धन शोधन मामले में तलाशी अभियान पूरा करने के बाद 526 करोड़ रुपए की बैंक जमा राशि पर रोक लगा दी है और 3.5 करोड़ रुपए के सोने के आभूषणों के साथ 11 लाख रुपए नकद जब्त किए हैं। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि बेंगलूरु स्थित कंपनी के खिलाफ सात मई को दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और कर्नाटक की राजधानी में तलाशी अभियान शुरू किया गया था। छापेमारी 13 मई को समाप्त हुई। उन्होंने बताया कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अभियान के दौरान बैंक जमा राशि, बांड और सावधि जमा जैसी कुल 526.49 करोड़ रुपए की चल संपत्तियों पर रोक लगा दी गई जबकि 3.5 करोड़ रुपए के सोने के आभूषण और 11 लाख रुपए नकद जब्त किए गए हैं।

छापेमारी के बाद, ईडी ने कंपनी के तीन संस्थापकों दीपक सिंह, पृथ्वी राज सिंह और विकास तनेजा को गिरफ्तार किया था।

कांग्रेस का दावा समाप्त हो चुके पीयूसी प्रमाणपत्र वाली मोटरसाइकिल लेकर आए फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि मितव्ययिता उपाय के तहत मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधानसभा जाने के लिए जिस मोटरसाइकिल का इस्तेमाल किया उसके प्रदूषण नियंत्रण (पीयूसी) प्रमाणपत्र की अवधि समाप्त हो चुकी थी। पार्टी ने जानना चाहा कि क्या पुलिस फडणवीस के खिलाफ कार्रवाई करेगी।

वहीं, सत्ताधारी भाजपा ने इस आरोप का खंडन करते हुए कहा कि वाहन से संबंधित सभी दस्तावेज सही हैं और उसने इसे विपक्षी दल द्वारा 'सस्ती लोकप्रियता' पाने का हथकंडा करार दिया। फडणवीस, विधान परिषद के नए सदस्यों के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए अपने आवास 'वर्षा' से मोटरसाइकिल पर दक्षिण मुंबई स्थित विधानसभा पहुंचे। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के मद्देनजर ईंधन और विदेशी मुद्रा बचाने की प्रधानमंत्री मोदी की अपील के बाद उठाए गए उपायों के तहत फडणवीस मोटरसाइकिल से विधानसभा पहुंचे थे। कांग्रेस की मुंबई इकाई की अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़ ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने जिस मोटरसाइकिल का इस्तेमाल किया उसके पीयूसी की अवधि समाप्त हो चुकी थी। उन्होंने पूछा कि क्या क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) और मुंबई यातायात पुलिस इस पर कार्रवाई करेगी। कांग्रेस विधायक दल के नेता और पूर्व मंत्री विजय वडेट्टीवार ने पूछा, ''प्रचार के चक्कर में मुख्यमंत्री ने बुलेट की सवारी की। लेकिन इस बुलेट के पीयूसी की अवधि समाप्त हो चुकी है। अब क्या सड़कों पर आम लोगों को पकड़ने और जुर्माना लगाने वाली पुलिस मुख्यमंत्री का चालान करेगी?'' गायकवाड़ ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री की मोटरसाइकिल की सवारी खर्च में कटौती का कोई गंभीर प्रयास नहीं बल्कि महज 'फोटो खिंचवाने का एक मौका' था।

आंध्र मंत्रिमंडल ने पश्चिम एशिया संघर्ष के प्रभावों से निपटने के लिए कई उपायों की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश मंत्रिमंडल ने पश्चिम एशिया में संघर्ष से उपजी आर्थिक चुनौतियों से निपटने के लिए बृहस्पतिवार को कई उपायों की सिफारिश की, जिनमें हफ्ते में एक दिन वाहन का इस्तेमाल न करना, ऑनलाइन कक्षाओं का संचालन, काफिले में शामिल वाहनों की संख्या घटाना, विशेष उड़ानों एवं विदेशी दौरों में कटौती करना और सोने की खरीद टालना शामिल है।

मंत्रिमंडल ने घर से काम करने की सुविधा देने, सार्वजनिक वाहनों का इस्तेमाल करने, बैठकें वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित करने और ईंधन की खपत पर नजर रखने की भी सिफारिश की।

आंध्र प्रदेश के सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री के पार्थसारथी ने यहां सचिवालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने अमेरिका-ईरान युद्ध के इस नाजुक समय में लोगों से देश हित के लिए 'मेरा देश, मेरी जिम्मेदारी' सिद्धांत अपनाने का आह्वान किया है।

पार्थसारथी ने मंत्रिमंडल बैठक में हुए विचार-विमर्श और उसमें जारी दिशा-निर्देशों की जानकारी देते हुए

कहा, मौजूदा भू-राजनीतिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए... और विशेष रूप से हमारे देश की ऊर्जा आवश्यकताओं, विदेशी मुद्रा भंडार और किसानों की उपज के निर्यात पर पड़ रहे दबाव को देखते हुए... 'मेरा देश, मेरी जिम्मेदारी' सिद्धांत के तहत हर व्यक्ति को देश हित में कुछ कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा कि इस तरह के संकट के दौरान विशेष उड़ानों का इस्तेमाल कम कर दिया जाएगा।

पार्थसारथी ने कहा कि लोगों को सलाह देने से पहले नायडू ने जन प्रतिनिधियों, नेताओं, मंत्रियों और सरकारी अधिकारियों से अपने काफिले में शामिल वाहनों की संख्या घटाने और विदेश यात्राएं कम करने का आह्वान किया है, ताकि लोगों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित किया जा सके। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने मंत्रियों और विधायकों को जितना संभव हो, सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करने और वाहनों के बजाय साइकिल से चलने की सलाह दी है।

पार्थसारथी के मुताबिक, नायडू ने जन प्रतिनिधियों, नेताओं, मंत्रियों और सरकारी अधिकारियों से क्षेत्र भ्रमण के दौरान पदयात्रा करने को कहा है, ताकि वे जनता के लिए एक आदर्श बन सकें। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को वाहनों का इस्तेमाल पूरी तरह से बंद करने के लिए 'नो व्हीकल फ्राइडे' व्यवस्था लागू करने की भी सलाह दी है।

पार्थसारथी के अनुसार, नायडू ने कहा है कि जरूरत पड़ने पर दो-तीन अधिकारी 'कार पूलिंग' के तहत मंत्री के वाहनों में यात्रा कर सकते हैं, ताकि लोग भी ऐसा करने को प्रेरित हों। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालयों को ऑनलाइन कक्षाएं आयोजित करने पर विचार करने और छात्रों को दोपहिया वाहनों का इस्तेमाल न करने के लिए प्रोत्साहित करने के वास्ते हफ्ते में दो दिन नो व्हीकल, केमिकल इंजन फ्री डे मनाने की सलाह दी है।

पार्थसारथी ने बताया कि नायडू ने सरकारी कार्यालयों को सलाह दी है कि वे हफ्ते में दो दिन घर से काम करने की सुविधा देने पर विचार करें। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने राज्य के लोगों से स्वदेशी पर्यटन को बढ़ावा देने, विदेश यात्राएं कम करने और सोने की खरीद से बचने की अपील की है।

आबकारी मामले में अपमानजनक पोस्ट के लिए अवमानना कार्यवाही शुरू की जाएगी : न्यायमूर्ति शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय की न्यायाधीश स्वर्ण कांता शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह उनके संबंध में अपमानजनक और मानहानिकारक सामग्री पोस्ट करने वाले लोगों के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू करेंगी और इस संबंध में वह ''चुप नहीं रह सकती।''

न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा कि मानहानिकारक सामग्री पोस्ट करने वाले आबकारी नीति मामले में बरी किए गए कुछ लोगों के खिलाफ वह यह कार्यवाही करेंगी। न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा कि वह इस संबंध में शाम लगभग पांच बजे आदेश सुनाएंगी। उन्होंने कहा, ''मुझे यह जानकारी मिली

है कि कुछ प्रतिवादियों द्वारा मेरे और इस न्यायालय के विरुद्ध बहुत अपमानजनक, निंदनीय और मानहानिकारक सामग्री पोस्ट की जा रही है और मैं चुप नहीं रह सकती। मैंने कुछ प्रतिवादियों और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू करने का निर्णय लिया है।'' अदालत शराब नीति मामले में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और 21 अन्य को बरी करने के निचली अदालत के आदेश को चुनौती देने वाली सीबीआई की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इससे पहले अदालत ने आम आदमी पार्टी के नेताओं केजरीवाल, सिसोदिया और दुर्गेश पाठक का प्रतिनिधित्व करने के लिए वरिष्ठ वकीलों को न्यायमित्र के रूप में नियुक्त करने का फैसला किया था। सुनवाई के दौरान, न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा कि कुछ वरिष्ठ वकीलों ने अदालत की सिफारिश को ''स्वीकार'' कर लिया है, लेकिन इसी बीच उन्हें अवमानना से संबंधित सामग्री मिली। दिल्ली की एक अदालत ने 27 फरवरी को केजरीवाल, सिसोदिया और 21 अन्य लोगों को शराब नीति मामले में बरी कर दिया था और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से नाराजगी जताते हुए कहा कि उसका मामला न्यायिक समीक्षा में खरा उतरने में पूरी तरह विफल रहा।

मुंबई की चार मंजिला इमारत की सीढ़ियां ढही, 63 लोगों को बचाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। मुंबई के ग्रांट रोड इलाके में बृहस्पतिवार दोपहर को चार मंजिला एक आवासीय-एवं-व्यावसायिक इमारत की सीढ़ी ढह गई। इस हादसे में 63 लोग फंस गए थे जिन्हें बाद में बचा लिया गया। अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

यह घटना ग्रांट रोड (पूर्व) स्थित खरजीतजी राणा लेन में यूसुफ बिल्डिंग में घटी। अधिकारी ने बताया कि भूतल और पहली मंजिल के बीच की सीढ़ी ढह गई और उसका एक हिस्सा खतरनाक तरीके से लटका रह गया। इमारत के भूतल पर व्यावसायिक कार्यालय और दुकानें हैं जबकि ऊपरी मंजिलों पर आवासीय इकाइयां हैं।

मुंबई अग्निशमन दल, पुलिस और 108 एम्बुलेंस सेवा की टीमें मौके पर पहुंचीं और दूसरी मंजिल पर रहने वाले लोगों को बचाया गया। दमकल कर्मियों ने सभी 63 लोगों को सुरक्षित बचा लिया। इनमें 46 पुरुष, 12 महिलाएं और पांच बच्चे शामिल थे। अधिकारी ने बताया कि इमारत के कुछ खतरनाक रूप से लटके हुए हिस्सों को गिरा दिया गया जबकि इमारत के आसपास के क्षेत्र की घेरेबंदी कर दी गई।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने मोदी को पत्र लिखकर कपास पर आयात शुल्क हटाने की अपील की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय ने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से कपास पर आयात शुल्क हटाने की अपील की।

मुख्यमंत्री का पदभार संभालने के बाद विजय ने मोदी को लिखे अपने पहले पत्र में कहा कि तमिलनाडु देश का सबसे बड़ा कपड़ा और परिधान निर्यात करने वाला राज्य है।

उन्होंने लिखा कि लाखों लोग खासकर ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों की महिलाएं प्रत्यक्ष और

अप्रत्यक्ष रोजगार के लिए इस क्षेत्र पर निर्भर हैं। उन्होंने कहा कि कपास की कीमतों में वृद्धि और परिणामस्वरूप धागे की कीमतें बढ़ने के कारण यह उद्योग गंभीर संकट का सामना कर रहा हैं। उन्होंने कहा, ''मैं समझता हूं कि इसका मुख्य कारण कपास उत्पादन में कमी और देश में व्यापारिक गतिविधियों में वृद्धि है।''

मुख्यमंत्री ने बताया कि कपास की कीमत पिछले दो महीनों में 25 प्रतिशत वृद्धि के साथ 54,700 रुपए से बढ़कर 67,700 रुपए प्रति गांठ हो गई है जबकि धागे का दाम 301 रुपए से बढ़कर 330 रुपए प्रति किलोग्राम हो गया है। उन्होंने कहा, ''इस स्थिति में, कच्चे माल की निरंतर आपूर्ति केवल आयात के माध्यम से ही सुनिश्चित की जा सकती है।''

उन्होंने कहा कि कपास पर 11 प्रतिशत आयात शुल्क लगता है, ऐसी स्थिति में, शुल्क-मुक्त कपास आयात की अनुमति देने से इस उद्योग को बढ़ती निर्यात प्रतिबद्धताओं को पूरा करने और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बने रहने में मदद मिलेगी।

विजय ने कहा कि कृषि के बाद, कपड़ा और परिधान क्षेत्र सबसे अधिक रोजगार सृजन करने वाले क्षेत्रों में से एक है। उन्होंने कहा, लाखों लोगों के रोजगार की रक्षा करना और कपड़ा मूल्यर्धन श्रृंखला को टिकाऊ बनाये रखना सरकार की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री ने कहा, इसलिए, मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि कच्चे माल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कपास पर आयात शुल्क को मौजूदा 11 प्रतिशत से घटाकर शून्य किया जाए।''

महिला लाभार्थियों को मई की 1,000 रु. की किस्त जल्द मिलेगी : तमिलनाडु के मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसफ विजय ने कहा कि महिलाओं को 'कलैग्नार मगलीर उरिमाई थोगई' योजना की मई माह की किस्त जल्द ही दी जाएगी। इस योजना के तहत महिलाओं को 1,000 रुपए दिए जाते हैं। इसकी शुरुआत पूर्ववर्ती द्रविड मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार ने की थी और इसका नाम पार्टी के दिग्गज नेता एम. करुणानिधि के नाम पर रखा गया। विजय के हवाले से जारी एक सरकारी विज्ञप्ति में कहा गया कि राशि लाभार्थियों के बैंक खातों में जमा की जाएगी।

इसमें कहा गया, ''सरकार को 'कलैग्नार मगलीर उरिमाई थोगई' योजना के पुनर्गठन के लिए समय चाहिए, जिसके तहत महिलाओं को 1,000 रुपए दिए जाते हैं। मुख्यमंत्री जोसफ विजय ने निर्देश दिया है कि इस योजना के तहत मई महीने की 1000 रुपए की किस्त जल्द ही लाभार्थियों के बैंक खातों में सीधे जमा कर दी जाएगी।'' राज्य विधानसभा चुनाव से पहले विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) ने 60 वर्ष से कम उम्र की महिलाओं को 2,500 रुपए प्रति माह की सहायता देने का वादा किया था। इसी बीच, द्रमुक अध्यक्ष एम.के. स्टालिन ने मुख्यमंत्री विजय को संबोधित करते हुए कहा कि राशि 15 तारीख को जमा कर दी जानी चाहिए और उन्होंने आश्चर्य व्यक्त किया कि पहले से ही जारी योजना के लिए अतिरिक्त समय की क्या आवश्यकता है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में पूछा, ''आप (योजना को लेकर) कौन सा पुनर्गठन करने जा रहे हैं?'' स्टालिन ने कहा कि विजय ने घोषणा की है कि पिछली सरकार की योजनाएं जारी रहेंगी।

अन्नाद्रमुक में खींचतान: षणमुगम-वेलुमणि खेमे ने पलानीस्वामी, अन्य को अयोग्य घोषित करने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के सी.वी. षणमुगम और एस.पी. वेलुमणि नीत गुट ने बृहस्पतिवार को अन्नाद्रमुक प्रमुख ई.के. पलानीस्वामी और उनके साथी विधायकों पर तमिलनाडु विधानसभा में मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) सरकार के विश्वास मत के सिलसिले में पार्टी की ओर से जारी व्हिप का उल्लंघन करने का आरोप लगाया तथा उन्हें अयोग्य घोषित किए जाने की मांग की। षणमुगम और वेलुमणि ने दावा किया कि अधिकतर पार्टी विधायक उनके समर्थन में हैं।

षणमुगम-वेलुमणि गुट के सचेतक सी विजयभास्कर ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि विधायक दल का फैसला बहुमत के आधार पर होता है। उन्होंने संकेत दिया कि षणमुगम-वेलुमणि गुट को वह बहुमत हासिल था। विजयभास्कर ने कहा कि बुधवार को विश्वास मत के दौरान विजय के नेतृत्व वाली टीवीके सरकार के पक्ष में मतदान करने के उनके निर्देश के बारे में व्हाट्सएप और ईमेल के जरिये सभी अन्नाद्रमुक विधायकों को विधिवत रूप से सूचित कर दिया गया था। उन्होंने कहा, कुल 47 विधायकों में से 25 ने निर्देश का पालन किया। एडप्पाडी पलानीस्वामी समेत पार्टी के 22 विधायकों ने अन्नाद्रमुक के सचेतक के रूप में मेरी ओर से जारी निर्देश पर अमल नहीं किया तथा उसके खिलाफ कदम उठाया। इसलिए हमने आज विधानसभा अध्यक्ष से मुलाकात की और दलबदल रोधी कानून के तहत उन्हें (विधायक के रूप में) अयोग्य ठहराए जाने की मांग की। विजयभास्कर ने कहा, वेलुमणि गुट के अधिकांश विधायकों ने 'व्हिप' का पालन किया। केवल बहुमत ही मान्य है।

वेलुमणि ने पूर्व के उदाहरणों का हवाला देते हुए कहा कि जब किसी पार्टी में मतभेद के कारण फूट पड़ती है, तो कोई फैसला नहीं लिया जा सकता; न ही किसी को पार्टी के पदों या संगठन में नियुक्त किया जा सकता है या हटाया जा सकता है। उन्होंने कहा, हमारा रुख स्पष्ट है-(पलानीस्वामी को) चुनाव में हार के कारणों पर चर्चा करने के लिए पार्टी की आम परिषद की बैठक बुलानी चाहिए। वह महासचिव हैं।

वेलुमणि ने पलानीस्वामी पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी के पदाधिकारियों को बर्खास्त करने और उनकी जगह नई नियुक्तियां करने का अन्नाद्रमुक महासचिव का कदम वैध नहीं था। उन्होंने कहा, हमारा मकसद अन्नाद्रमुक को मजबूत करना है। पार्टी से निकाले गए लोगों को वापस लाना है। एमजीआर ने पार्टी की स्थापना क्यों की थी-द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) का विरोध करने के लिए?

वेलुमणि ने कहा कि पार्टी में विभिन्न पदों पर तैनात पदाधिकारियों को हटाने का पलानीस्वामी का फैसला वैध नहीं है और ये लोग अपने-अपने पदों पर बने हुए हैं। अन्नाद्रमुक प्रमुख ने टीवीके सरकार के विश्वास मत के दौरान मतदान को लेकर हुए मतभेद और 'क्रॉस-वोटिंग' के मद्देनजर षणमुगम, वेलुमणि और अन्य को पार्टी पदों से हटा दिया था। विश्वास मत के दौरान टीवीके सरकार ने आसानी से बहुमत साबित कर दिया था। इस बीच, पलानीस्वामी ने वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर आगे की रणनीति पर चर्चा की।

अन्नाद्रमुक में बढ़ती खींचतान के बीच किसी अप्रिय घटना की आशंका टालने के लिए पार्टी मुख्यालय 'पुरची थलाइवर एमजीआर मालीगई' में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किए गए हैं।

साल 2022 में पलानीस्वामी और तत्कालीन पार्टी नेता ओ पनीरसेल्वम के बीच नेतृत्व को लेकर बढ़ते मतभेदों के बीच हिंसा भड़क उठी थी, जिसमें अन्नाद्रमुक मुख्यालय को निशाना बनाया गया था और वहां तोड़फोड़ की गई थी। षणमुगम ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि जब तक उनके गुट को न्याय नहीं मिल जाता, उसके समर्थक विधायक और वरिष्ठ नेता अन्नाद्रमुक मुख्यालय नहीं आएंगे। उन्होंने कहा, मैं किसी भी स्थिति में मुख्यालय नहीं जाऊंगा। हम यह भी सुनिश्चित करेंगे कि दोनों गुटों के बीच कोई झड़प न हो।

पलानीस्वामी ने बागी गुट का मुकाबला करने की रणनीति पर चर्चा के लिए अपने आवास पर समर्थक विधायकों के साथ एक बैठक की अध्यक्षता भी की। बड़ी संख्या में अन्नाद्रमुक कार्यकर्ता पूर्व मुख्यमंत्री (पलानीस्वामी) के आवास पर फूलों का गुलदस्ते लेकर अपना समर्थन जताने पहुंचे। नव नियुक्त पदाधिकारियों ने भी उनसे मुलाकात की। इस बीच, पलानीस्वामी के समर्थक और सचेतक एग्री एस कृष्णमूर्ति और विधायक थलवई एन सुंदरम ने विधानसभा अध्यक्ष जेसीडी प्रभाकर से मुलाकात कर बागी विधायकों को अयोग्य घोषित करने के अनुरोध वाली अपनी शिकायत पर कार्रवाई की मांग की।

पलानीस्वामी गुट ने आरोप लगाया कि इन विधायकों ने बुधवार को विधानसभा में टीवीके सरकार के बहुमत परीक्षण के दौरान पार्टी के निर्देशानुसार मतदान नहीं किया। पलानीस्वामी ने तिरुत्तानी से अन्नाद्रमुक विधायक जी हरि को भी बृहस्पतिवार को उनके पार्टी पदों से हटा दिया। अन्नाद्रमुक प्रमुख ने एक विज्ञप्ति में कहा कि हरि को संगठन सचिव समेत पार्टी के सभी पदों से हटा दिया गया है। हरि षणमुगम-वेलुमणि गुट का हिस्सा हैं।

द्रमुक गठबंधन कमजोर नहीं हुआ, तमिलनाडु की जनता को अब भी गठबंधन पर भरोसा: स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। द्रविड मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष एम.के. स्टालिन ने बृहस्पतिवार को कहा कि 23 अप्रैल को हुए विधानसभा चुनाव में बहुमत हासिल नहीं करने के बावजूद द्रमुक के नेतृत्व वाला गठबंधन कमजोर नहीं हुआ है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि गठबंधन को मिले 1.54 करोड़ वोट इस बात का प्रमाण हैं कि तमिलनाडु की जनता ने इस गठबंधन पर अपना भरोसा बनाए रखा है। चुनाव परिणामों के बाद अधिकांश सहयोगी दलों ने खुले तौर पर कहा है कि वे अपनी निष्ठा बदले बिना द्रमुक के साथ अपनी राजनीतिक यात्रा जारी रखेंगे। स्टालिन ने कहा, यह द्रमुक के प्रति सहयोगी दलों के नेताओं की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। पूर्व मुख्यमंत्री ने यहां जारी एक बयान में कहा, तदनुसार, हम सैद्धांतिक राजनीतिक दलों के रूप में एकजुट रहेंगे और हमेशा की तरह जनता के कल्याण और राज्य के अधिकारों के लिए अपनी यात्रा जारी रखेंगे। तमिलनाडु की रक्षा करने की शक्ति और जुझारू भावना हमारे भीतर है।

उन्होंने कहा कि द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन ने तमिलनाडु को प्रगति के पथ पर ले जाने और राज्य के अधिकारों के नुकसान को रोकने के लिए मिलकर काम किया, लेकिन हाल ही में हुए चुनावों में वह पूर्ण विजय प्राप्त नहीं कर सका। स्टालिन ने कहा, तथ्य यह है कि गठबंधन की ताकत कम नहीं हुई है और 1.54 करोड़ वोट तथा (कुल) 72 सीटें जीतना यह दर्शाता है कि तमिलनाडु के लोगों ने हम पर भरोसा जताया है। उन्होंने गठबंधन में शामिल किसी भी पार्टी के नेता या उनके कार्यकर्ताओं को हुई किसी भी असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया और इसकी जिम्मेदारी ली।

उन्होंने कहा, मैं उन सभी की कड़ी मेहनत और सहयोग के लिए फिर से आभार व्यक्त करना चाहता हूं। स्टालिन ने उन सहयोगी नेताओं का आभार व्यक्त किया जिन्होंने गठबंधन का साथ दिया। इनमें कांग्रेस भी शामिल है, जिसने चुनाव के बाद पाला बदलकर तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) का हाथ थाम लिया, और 'मक्कल निधि मय्यम' के संस्थापक व सांसद कमल हासन भी, जिन्होंने धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन (एसपीए) को अपना समर्थन दिया था। उन्होंने कहा कि गठबंधन के नेता के तौर पर उन्होंने गठबंधन से जुड़ी सभी वार्ताओं, निर्वाचन क्षेत्रों के आवंटन, समझौतों और प्रचार की जिम्मेदारी ली। स्टालिन ने कहा, द्रमुक के अध्यक्ष के रूप में, मैं उन सभी नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करना चाहता हूं जो द्रमुक के नेतृत्व वाले एसपीए का हिस्सा थे। उन्होंने कहा, मैं कृतज्ञता प्रकट करता हूं कि 2026 के विधानसभा चुनाव के लिए कई नए दल गठबंधन में शामिल हुए और राज्य के कल्याण के लिए आवाज उठाई। द्रमुक और मैं चुनाव के दौरान इन दलों द्वारा दिखाए गए विश्वास और सहयोग को कभी नहीं भूलेंगे।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में मैं द्रमुक की हार की पूरी जिम्मेदारी लेता हूं : स्टालिन

चेन्नई/भाषा। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष एम.के. स्टालिन ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह 23 अप्रैल को हुए तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में पार्टी की हार की पूरी जिम्मेदारी लेते हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव में मिली हार के कारणों का विश्लेषण करने और 20 दिन के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए एक समिति का गठन किया जाएगा।

स्टालिन ने ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) पर भी निशाना साधते हुए कहा कि द्रमुक इतनी परिपक्व है कि वह अपने विधायकों को किसी रिसॉर्ट में नहीं ठहराएगी। उन्होंने परोक्ष रूप से अन्नाद्रमुक का संदर्भ दिया, जिसने चार मई को आए विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद अपने नवनिर्वाचित विधायकों को पुडुचेरी के एक रिसॉर्ट में ठहराया था। इन चुनावों में किसी भी दल को अपने दम पर सरकार बनाने के लिए आवश्यक 118 सीटें नहीं मिली थीं। द्रमुक मुख्यालय 'अन्ना अरिवलयम' में पार्टी के जिला सचिवों को संबोधित करते हुए स्टालिन ने कहा कि किसी भी पार्टी ने सरकार बनाने के लिए अपने दम पर बहुमत हासिल नहीं किया। पूर्व मुख्यमंत्री ने सरकार गठन के दौरान सहयोगियों द्वारा टीवीके को दिए गए बिना शर्त समर्थन का जिक्र करते हुए कहा, ''गठबंधन सहयोगियों के समर्थन से ही सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली सरकार सत्ता में आई है। उन्होंने वामपंथी दलों, वीसीके और आईयूएमएल के समर्थन से सरकार बनाई है।'' उन्होंने कहा, ''पिछले चुनाव परिणाम बताते हैं कि जब भी हम सत्ता से बाहर हुए हमें बहुत कम सीटें मिलीं। लेकिन इस बार हमने 59 सीटें जीती हैं। अगर हमारे सहयोगियों की सीटें भी जोड़ दी जाएं तो यह संख्या 73 तक पहुंच जाती है।''

चुनावों में जीत और हार को जीवन के उतार-चढ़ाव की तरह स्वाभाविक बताते हुए स्टालिन ने कहा कि द्रमुक अन्य दलों की तुलना में अधिक परिपक्व पार्टी है। उन्होंने अन्नाद्रमुक पर निशाना साधते हुए कहा, ''इसीलिए, अन्य पार्टियों के विपरीत, हमने डर के मारे अपने विधायकों को रिसॉर्ट और स्टार होटलों में नहीं ठहराया, बल्कि हार का सामना करने के लिए पर्याप्त साहस दिखाया।''

तमिलनाडु पुलिस में बड़े पैमाने पर फेरबदल

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु सरकार ने बृहस्पतिवार को पुलिस विभाग में व्यापक फेरबदल करते हुए 10 से अधिक वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का तबादला कर दिया जिनमें खुफिया शाखा के भी अधिकारी हैं। सरकार द्वारा जारी किए गए आदेश (जीओ) के अनुसार खुफिया शाखा में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) बी बाला नागा देवी को स्थानांतरित कर साइबर अपराध शाखा (चेन्नई) का डीजीपी बनाया गया है। तमिलनाडु सहकारी दुग्ध उत्पादक परिसंघ के मुख्य सतर्कता अधिकारी राजीव कुमार को प्रशिक्षण पुलिस महानिदेशक (चेन्नई) बनाया गया है। अनिवार्य प्रतीक्षा सूची में रहे एस. डेविडसन देवासिर्वथम को तमिलनाडु सहकारी दुग्ध उत्पादक परिसंघ का डीजीपी (सतर्कता अधिकारी) नियुक्त किया गया है।

इसी प्रकार, अनिवार्य प्रतीक्षारत पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) के ए सेंथिल वेलन को तमिलनाडु पुलिस अकादमी में आईजीपी नियुक्त किया गया है। सरकारी आदेश के अनुसार, वेल्लोर रेंज के पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजीपी) जी धर्मराजन को डीआईजीपी (सिक्योरिटी-चेन्नई) के रूप में पदस्थापित किया गया है।

ग्रेटर चेन्नई पुलिस के दक्षिण क्षेत्र में कानून-व्यवस्था संभाल रहे पकेरला सेफस कल्याण को डीआईजी (खुफिया-आंतरिक सुरक्षा), चेन्नई नियुक्त किया गया है। तिरुनेलवेली रेंज के डीआईजी पी सरवनन का खुफिया शाखा (चेन्नई) में तबादला किया गया है। तिरुवारूर जिले के पुलिस अधीक्षक गराड करुण उद्धवराव को संगठित अपराध खुफिया (चेन्नई) का पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। इसी तरह कई अन्य तबादले किए गए हैं।

तमिलनाडु सरकार ने सरकारी कर्मचारियों और शिक्षकों के महंगाई भत्ते में दो प्रतिशत की बढ़ोतरी की

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसफ विजय ने बृहस्पतिवार को सरकारी कर्मचारियों और शिक्षकों के महंगाई भत्ते में दो प्रतिशत वृद्धि की घोषणा की। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, इस संशोधन के साथ महंगाई भत्ता (डीए) 58 प्रतिशत से बढ़कर 60 प्रतिशत हो जाएगा। यह वृद्धि एक जनवरी 2026 से प्रभावी होगी।

महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी से राज्य सरकार पर सालाना 1,230 करोड़ रुपए का अतिरिक्त खर्च आएगा। विज्ञप्ति में कहा गया है कि सरकार आवश्यक अतिरिक्त धनराशि आवंटित करेगी और सरकारी अधिकारियों, शिक्षकों, पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों के कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता साबित करेगी। विज्ञप्ति में कहा गया है कि विजय ने लोगों के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं तैयार करने और उन्हें लागू करने के लिए कदम उठाने का संकल्प लिया है।

टीवीके विधायक ने सनातन धर्म पर उदयनिधि स्टालिन का समर्थन किया, विरोध के बाद बयान वापस लिया

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के विधायक मधर बदरुद्दीन (वी एम एस मुस्तफा) ने सदन में नेता प्रतिपक्ष उदयनिधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म पर दिए गए बयान का बृहस्पतिवार को समर्थन कर विवाद खड़ा कर दिया। हालांकि, चौतरफा आलोचना के बाद उन्होंने अपना बयान वापस ले लिया।

मदुरै मध्य से विधायक बदरुद्दीन ने टिप्पणी की थी कि '' हम भी सनातन धर्म को खत्म करने के लिए मैदान में हैं।'' टीवीके विधायक ने हालांकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)नेताओं की ओर से उनकी और जोसेफ सी विजय के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना किए जाने के बाद स्पष्टीकरण जारी किया।

भाजपा के मुख्य प्रवक्ता नारायणन तिरुपति ने आरोप लगाया कि किसी मुस्लिम व्यक्ति, विशेषकर निर्वाचित प्रतिनिधि द्वारा हिंदू धर्म के बारे में अपमानजनक बातें कहना और इसे समाप्त करने की उद्घोषणा करना धार्मिक सद्भाव को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाएगा।

तिरुपति ने सवाल किया, ''सनातन धर्म की आलोचना करने वाले मुस्तफा क्या इस्लामी आस्था की आलोचना करने का साहस करेंगे? क्या वे ईसाई धर्म की आलोचना करने के लिए आगे आएंगे?'' भाजपा नेता ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि सत्ता में होने मात्र से कुछ भी कहने का अधिकार रखने का विश्वास अहंकार को दर्शाता है। उन्होंने कहा, ''मुख्यमंत्री विजय ने अब तक विधानसभा में उदयनिधि स्टालिन के सनातन धर्म पर दिए गए भाषण या टीवीके विधायक मुस्तफा की टिप्पणियों की निंदा नहीं की है। एक मुख्यमंत्री के लिए, जो सभी लोगों का प्रतिनिधित्व करने का दावा करता है, बहुसंख्यक समुदाय की जीवनशैली की आलोचना की निंदा न करना उनके उच्च पद के अनुरूप नहीं है।'' तिरुपति ने कहा कि सनातन धर्म ''जीवंत और शाश्वत'' है। उन्होंने कहा,''इसे अतीत में किसी ने भी नष्ट या मिटाया नहीं है, न ही आज कोई जीवित व्यक्ति ऐसा करने में सक्षम है, और न ही भविष्य में जन्म लेने वाला कोई व्यक्ति इसे नष्ट कर पाएगा।''

केसी वेणुगोपाल: नहीं मिला मुख्यमंत्री का पद, पर और बढ़ सकता है पार्टी में कद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी में 'केसी' को खारिज नहीं कर सकते। केरल के मुख्यमंत्री पद का फैसला होने के बाद पार्टी के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच बृहस्पतिवार को यह चर्चा आम थी।

कांग्रेस के कई नेताओं का मानना है कि संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल भले ही मुख्यमंत्री पद हासिल करने में कामयाब नहीं हो सके, लेकिन आने वाले दिनों में पार्टी में उनका कद और बढ़ सकता है। पार्टी नेतृत्व ने वी डी सतीशन को केरल का मुख्यमंत्री बनाने का फैसला किया। कांग्रेस को इस निर्णय पर पहुंचने में 10 दिन लग गए। इस निर्णय में देरी का एक प्रमुख कारण वेणुगोपाल की दावेदारी थी क्योंकि वह पिछले कुछ वर्षों से कांग्रेस में एक शक्तिशाली नेता और राहुल गांधी के करीब हैं।

इस पद के लिए तीन मुख्य दावेदार सतीशन, वेणुगोपाल और रमेश चेन्निथला थे। पार्टी सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस और पार्टी की केरल इकाई में कांग्रेस के नेताओं में यह चर्चा आम है कि वेणुगोपाल ने

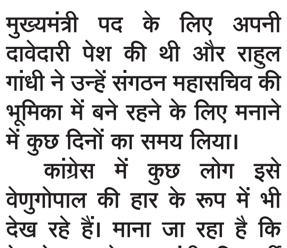

मुख्यमंत्री पद के लिए अपनी दावेदारी पेश की थी और राहुल गांधी ने उन्हें संगठन महासचिव की भूमिका में बने रहने के लिए मनाने में कुछ दिनों का समय लिया।

कांग्रेस में कुछ लोग इसे वेणुगोपाल की हार के रूप में भी देख रहे हैं। माना जा रहा है कि वेणुगोपाल को मुख्यमंत्री की कुर्सी भले ही नहीं मिल पाई हो, लेकिन आने वाले दिनों में वह और मजबूत होकर उभरेंगे। केरल कांग्रेस के एक नेता ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''लोग कहेंगे कि उन्होंने अपना दावा छोड़ दिया, भले ही वह अंतिम फैसले को प्रभावित कर सकते थे।''

केरल के अगले मुख्यमंत्री के रूप में सतीशन के नाम की घोषणा के तुरंत बाद, वेणुगोपाल ने उन्हें बधाई देते हुए एक बयान दिया और कहा कि वह उन्हें और यूडीएफ सरकार को पूरा समर्थन प्रदान करेंगे। संसद में उनकी भूमिका भी बढ़ने की संभावना है क्योंकि उनके आलोचक भी परिसीमन प्रक्रिया से जुड़े महिला आरक्षण विधेयक को पारित होने से रोकने में पूरे विपक्ष के समर्थन के प्रबंधन में उनकी भूमिका को मानते हैं। अंदरूनी सूत्रों ने कहा कि आने वाले दिनों में उनकी भूमिका का विस्तार हो सकता है। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, ''किसी को भी केसी को कम नहीं आंकना चाहिए।'' एक अन्य नेता ने कहा कि केरल के फैसले के बाद पार्टी के भीतर ''वेणुगोपाल फैक्टर'' और बढ़ेगा। नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच 'केसी' नाम से पुकारे जाने वाले वेणुगोपाल पहली बार 2009 में अलाप्पुझा से लोकसभा सदस्य चुने गए। विनम्र व्यवहार और चेहरे पर अक्सर चिरपरिचित मुस्कान वाले वेणुगोपाल को टकराव से दूर रहकर और अपनी ताकत का प्रदर्शन किए बिना काम करने वाला नेता माना जाता है। वह मनमोहन सिंह के दूसरे कार्यकाल में नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री थे। इसके बाद जनवरी, 2019 में वेणुगोपाल अचानक कांग्रेस के राष्ट्रीय फलक पर आ गए जब तत्कालीन पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी ने अशोक गहलोत के पद से हटने के बाद उन्हें संगठन महासचिव बनाया। इस भूमिका में आने के बाद से मानो वह राहुल गांधी की परछाई बन गए।

केरल: सुधाकरन ने सतीशन को मुख्यमंत्री नियुक्त करने के कांग्रेस के फैसले का समर्थन किया

कन्नूर/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के. सुधाकरन ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह केरल के मुख्यमंत्री के रूप में वी.डी. सतीशन की नियुक्ति के पार्टी के फैसले का समर्थन करेंगे। कांग्रेस ने सतीशन को केरल का मुख्यमंत्री घोषित कर पार्टी के नेतृत्व के फैसले को लेकर कई दिनों से जारी अटकलों पर विराम लगा दिया। कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने केरल विधानसभा चुनाव में दो-तिहाई से अधिक बहुमत हासिल किया लेकिन विभिन्न गुटों की पैरवी और जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं के विरोध के कारण पार्टी अपने मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार का फैसला नहीं कर पाई थी।

सुधाकरन के सतीशन के साथ कथित तौर पर तनावपूर्ण संबंध रहे हैं और उन्होंने पहले इस पद के लिए के.सी. वेणुगोपाल का समर्थन किया था। सुधाकरन ने कहा कि सभी को पार्टी के फैसले को स्वीकार करना चाहिए।

केरल : पिनराई विजयन माकपा विधायक दल के नेता चुने गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन को बृहस्पतिवार को मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) विधायक दल का नेता चुना गया।

एक बयान के मुताबिक, यह निर्णय यहां माकपा की प्रदेश समिति की बैठक में लिया गया। इस बैठक में माकपा के महासचिव एम.ए. बेबी और वरिष्ठ नेता ए. विजयराघवन और विजयन शामिल हुए, और इसकी अध्यक्षता के. राधाकृष्णन ने की।

माकपा विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद, विजयन को केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता के रूप में चुने जाने की संभावना है। दो बार मुख्यमंत्री रह चुके विजयन ने हाल में हुए राज्य

विधानसभा चुनावों में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) की हार के बाद सत्ता खो दी। एलडीएफ के पास वर्तमान में 140 सदस्यीय विधानसभा में 35 सीटें हैं। दूसरी ओर, कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) 102 सीटें जीतकर सरकार बनाने जा रहा है। केरल के पूर्व नेता प्रतिपक्ष वी.डी. सतीशन को कांग्रेस आलाकमान ने राज्य का मुख्यमंत्री चुना है।

पाकिस्तान ने फिर दुस्साहस किया तो 'जो अब तक नहीं हुआ, वह होगा' : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि यदि उसने फिर से भारत की ओर नजर उठाने का दुस्साहस किया, तो जो अब तक नहीं हुआ है, वह होकर रहेगा। सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया है कि आतंकवाद को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारतीय सेनाओं के 'ऑपरेशन सिंदूर' ने नया इतिहास रचा है।

रक्षामंत्री ने नागौर जिले के मेड़ता कस्बे में राजपूत शासक राव दूदा की प्रतिमा के अनावरण के बाद आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, संभव है कि पाकिस्तान अब जल्दी भारत की ओर नजर उठाने की जुर्रत न करे, लेकिन मैं आज इस धरती से कहकर जा रहा हूं कि यदि उसने फिर से ऐसा दुस्साहस किया, तो जो अब तक नहीं हुआ है, वह होकर रहेगा।

सिंह ने कहा, शुरू से ही हमारी नीति रही है कि हम किसी को छेड़ते नहीं हैं, लेकिन यदि कोई हमें छेड़ता है, तो हम उसे छोड़ते भी नहीं हैं। पहलगाम आतंकी हमले का उल्लेख करते हुए सिंह ने कहा कि आतंकवादियों ने लोगों से उनका धर्म पूछकर हत्या की। रक्षा मंत्री ने कहा, भारतीय संस्कृति जाति और धर्म के आधार पर भेदभाव की अनुमति नहीं देती। हम इंसाफ और इंसानियत में विश्वास रखते हैं, लेकिन पाकिस्तान से आए आतंकवादी लोगों से उनका धर्म पूछकर उन्हें गोलियों से भून रहे थे। उन्होंने कहा, पूरा देश इस घटना से आक्रोशित था। इसके बाद हमने ऐसा करारा जवाब दिया कि दुश्मन के होश उड़ गए। हमने साबित कर दिया कि अब भारत चुपचाप सहने वाला देश नहीं रहा। यदि कोई हमारे नागरिकों पर हमला करेगा, तो हम उसके घर में घुसकर जवाब देंगे। यह संदेश हम दे चुके हैं।

सिंह ने कहा कि पिछले दस वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने अपनी सुरक्षा नीति में ऐतिहासिक बदलाव किए हैं। उन्होंने कहा, हमने दुनिया को साफ संदेश दे दिया है कि आतंकवाद के खिलाफ हमारी नीति 'कतई न बर्दाश्त करने' की होगी और इसे किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। राजनाथ सिंह ने कहा कि केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने राजनीति शब्द के वास्तविक अर्थ और भाव को पुनर्स्थापित करने का प्रयास किया है।

उन्होंने कहा, राजनीति शब्द 'राज' और 'नीति' से मिलकर बना है। नीति का अर्थ समाज को सही दिशा में ले जाना होता है। ऐसा राजनीतिक तंत्र, जो समाज को सन्मार्ग की ओर ले जाए, वही वास्तविक राजनीति है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में राजनीति शब्द अपना मूल अर्थ खोता जा रहा था, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में उनकी सरकार ने इसे पुनर्स्थापित करने का संकल्प लिया और उसमें सफलता प्राप्त की।

रक्षामंत्री ने कहा कि सरकार विकास और विरासत दोनों को साथ लेकर चल रही है। उन्होंने कहा, अपने जननायकों को याद करना, उन पर गर्व करना और उनकी शिक्षाओं को युवा पीढ़ी तक पहुंचाना हमारी सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। महिलाओं के सम्मान का उल्लेख करते हुए सिंह ने कहा कि यह केवल नारा नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की आत्मा है। उन्होंने कहा कि जिस समाज में महिलाओं का सम्मान नहीं होता, वह कभी प्रगति नहीं कर सकता।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान से लेकर महिला सुरक्षा के लिए सख्त कानून बनाने तक, हर स्तर पर महिलाओं को सशक्त करने के लिए काम कर रही है। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने संबंधी विधेयक का उल्लेख करते हुए सिंह ने कहा कि सरकार महिलाओं को उनका राजनीतिक अधिकार दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, इस कार्य में समय लग सकता है, लेकिन हमारा संकल्प अटल है। दुनिया की कोई ताकत हमें रोक नहीं सकती। यह केवल एक विधेयक नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक इच्छाशक्ति का प्रतीक है।

केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने ई-रिक्शा से यात्रा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने ईंधन बचाने का संदेश देने के लिए बीकानेर में रेलवे स्टेशन से अपने घर तक का सफर ई-रिक्शा से तय किया। केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) मेघवाल दिल्ली से बीकानेर रेलवे स्टेशन पहुंचे और उन्होंने यहां से घर जाने के लिए गाड़ियों के काफिले के बजाय ई-रिक्शा का उपयोग किया।

मंत्री ने 'एक्स' पर कहा, बचत देश की, सुरक्षा पर्यावरण की। आज बीकानेर आगमन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'राष्ट्र प्रथम' के आह्वान के परिप्रेक्ष्य में ईंधन बचत, पर्यावरण संरक्षण करने एवं सार्वजनिक परिवहन माध्यम अपनाने के संदेश को आगे बढ़ाते हुए ई-रिक्शा से यात्रा की।

उन्होंने कहा, वर्तमान समय में स्वच्छ ऊर्जा अपनाना और ईंधन बचाना केवल विकल्प नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी है। आइए, हम सभी मिलकर पर्यावरण संरक्षण के लिए जनभागीदारी बढ़ाए।

प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान के मद्देनजर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी अपने काफिले में गाड़ियों की संख्या कम कर दी है और मुख्य सचिव, अन्य वरिष्ठ अधिकारियों तथा जन प्रतिनिधियों को पेट्रोल एवं डीजल बचाने के लिए अपने काफिलों में गाड़ियों की संख्या सीमित रखने का निर्देश दिया गया है।

राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने भी आम जन से ईंधन संरक्षण के लिए स्वत: प्रेरणा से कम से कम वाहनों के उपयोग और सार्वजनिक परिवहन के उपयोग का आह्वान किया है।

उन्होंने स्वयं इस पर पहल करते हुए अपने आधिकारिक काफिले में वाहनों की संख्या भी कम कर दी है। बृहस्पतिवार को लोकभवन से हवाई अड्डा जाते समय उन्होंने अपने काफिले के साथ पायलट कार, एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड और दूसरे वाहनों का उपयोग मना कर दिया।

मोदी की अपील का असर: राजनाथ सिंह और भजनलाल शर्मा एक ही कार में कार्यक्रम स्थल पहुंचे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । पेट्रोल, डीजल और ऊर्जा संसाधनों को बचाने को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया अपील का असर जमीनी स्तर पर देखने को मिल रहा है। राजस्थान के नागौर जिले के मेड़ता में गुरुवार को इसका एक शानदार उदाहरण देखने को मिला, जहां रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा हेलिपैड से कार्यक्रम स्थल तक एक ही गाड़ी में साथ गए। आमतौर पर वीवीआईपी दौरों के दौरान सुरक्षा के विस्तृत इंतजाम देखने को मिलते हैं, जिसमें 15 से 20 गाड़ियों का काफिला शामिल होता है। हालांकि, मेड़ता दौरे के दौरान, ईंधन की खपत कम करने और सादगी को बढ़ावा देने के संदेश को ध्यान में रखते हुए काफिले को जान-बूझकर छोटा रखा गया था। जानकारी के अनुसार, पूरे काफिले में सिर्फ छह गाड़ियां थीं। राजनीतिक जानकारों ने यह भी गौर किया कि पीएम मोदी ने खुद एक दिन पहले ही सिर्फ दो गाड़ियों का छोटा सा काफिला चुनकर इसकी शुरुआत कर दी थी।

राजनाथ सिंह और भजनलाल शर्मा दोपहर करीब 12:15 बजे मेड़ता के डांगावास हेलीपैड पर उतरे। वहां से दोनों नेता एक ही वाहन में सवार हुए और सबसे पहले प्रसिद्ध चारभुजा नाथ मंदिर गए, जहां उन्होंने पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद मांगा। बाद में नेताओं ने मेड़ता के संस्थापक राव दूदा की एक भव्य प्रतिमा का अनावरण किया।सभा को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने राव दूदा की बहादुरी, भक्ति और समाज सेवा की विरासत को श्रद्धांजलि अर्पित की। मेड़ता का कार्यक्रम समाप्त होने के बाद, दोनों नेता एक अन्य सार्वजनिक कार्यक्रम के लिए जोधपुर रवाना हो गए। कार्यक्रम के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में सीएम शर्मा ने लिखा, आज माननीय केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ नागौर के मेड़ता में लोक संस्कृति के रक्षक 'राव दूदा जी मेड़तिया' की भव्य प्रतिमा का अनावरण करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। साथ ही, कृष्ण भक्ति की अनन्य साधिका एवं संत परंपरा की अमर विभूति भक्त शिरोमणि मीरा बाई जी के भव्य पैनोरमा का अवलोकन भी किया। मेड़ता की यह पुण्यभूमि हमारी सांस्कृतिक विरासत, लोक आस्था और गौरवशाली इतिहास की जीवंत प्रतीक है, जो आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रभक्ति, अध्यात्म और संस्कृति से निरंतर प्रेरित करती रहेगी। इस अवसर पर माननीय केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

आधिकारिक कार्यक्रम के अनुसार, पूर्व उपराष्ट्रपति भैरों सिंह शेखावत की प्रतिमा का अनावरण रतनदा सर्किल के पास किया जाना था। दो वरिष्ठ नेताओं का 'कारपूलिंग' करना और काफिले का असामान्य रूप से छोटा होना जल्द ही राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया। कई पर्यवेक्षकों ने इस कदम को ईंधन बचाने, प्रशासनिक सादगी और सार्वजनिक संसाधनों के जिम्मेदाराना इस्तेमाल को बढ़ावा देने के एक प्रतीकात्मक प्रयास के तौर पर देखा।

टोंक में 12वीं के छात्र ने की आत्महत्या, धर्म परिवर्तन के दबाव का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के टोंक जिले में 12वीं कक्षा के एक छात्र ने किराये के मकान में कथित तौर पर फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में मामला एक लड़की से संबंध, पारिवारिक विवाद और मानसिक तनाव से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। वहीं, मृतक छात्र (17) के परिजनों ने लड़की और उसके परिवार पर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने का आरोप लगाया है। जयपुर निवासी छात्र पिछले पांच वर्षों से अपनी मां और छोटे भाई के साथ टोंक में किराये के मकान में रह रहा था।

कोतवाली थाना प्रभारी भंवर लाल वैष्णव ने बताया कि बृहस्पतिवार सुबह देर तक छात्र अपने कमरे से बाहर नहीं निकला। इसके बाद उसकी मां ने खिड़की से देखा तो वह पंखे से लटका मिला। परिजन और पड़ोसी उसे नीचे उतारकर जिला अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने बताया कि घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। प्रारंभिक पूछताछ में परिजनों ने पुलिस को बताया कि छात्र का पिछले दो वर्षों से उसी निजी स्कूल में पढ़ने वाली एक छात्रा से संबंध था। पुलिस के अनुसार, दोनों के बीच अक्सर होने वाले विवाद के कारण छात्र मानसिक रूप से परेशान रहता था।

मृतक छात्र की मां ने घटना के बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि लड़की और उसके परिवार के लोग उसके बेटे पर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बना रहे थे। थाना प्रभारी ने कहा, शव परिजनों को सौंप दिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

गांव के अंतिम गरीब का उत्थान करना ही ध्येय : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण रोजगार योजना का ध्येय ही गांव के अंतिम गरीब का उत्थान करना है। राज्यपाल गुरुवार को गुरुकुल संस्थान बोरी में जनजाति क्षेत्र में कौशल विकास एवं महिला सशक्तिकरण आशीर्वाद समारोह को संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल ने कहा कि शिक्षकों को छोटे बच्चों को केवल पाठ्य पुस्तकों तक सीमित नहीं रखना चाहिए। बच्चों के मानसिक विकास के लिए उन्हें प्रेरणादायक कहानियाँ भी सुनानी चाहिए। उन्होंने भारत की प्राचीन शिक्षा पद्धति का जिक्र करते हुए समृद्ध शैक्षिक विरासत के बारें में विस्तार से जानकारी प्रदान की। उन्होंने महापुरुषों के प्रेरक प्रसंगों को साझा करते हुए नैतिक मूल्यों के बढ़ावा देने पर बल दिया।

राज्यपाल बागड़े ने वीरांगना वीर बाला कालीबाई के भतीजे अमृत कलासुआ का शोल ओढ़ाकर विशेष सम्मान किया।

राज्यपाल ने वीरांगना कालीबाई की शहादत को याद करते हुए कौशल विकास में प्रशिक्षित बालिकाओं को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वीर बाला काली बाई की भूमि पर बेटियों की शिक्षा के प्रति विशेष जागरूकता है। उन्होंने गुरुकुल संस्थान के संस्थापक एवं निदेशक शरद जोशी द्वारा जनजाति क्षेत्र में शिक्षा के विकास के लिए शिक्षा संस्थान खोलने तथा कौशल विकास एवं महिला सशक्तिकरण जैसे प्रशिक्षण प्रदान करने और क्षेत्र के विकास में योगदान देने के लिए धन्यवाद का पात्र बताया। उन्होंने महिलाओं को प्रशिक्षण प्राप्त कर आर्थिक समृद्धि से जुड़कर नई राहों का निर्माण करने तथा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

कैंसर उपचार में बीकानेर बनेगा उत्तर-पश्चिम भारत का बड़ा केंद्र : अर्जुनराम मेघवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय कानून मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल ने गुरुवार को बीकानेर जिले के पीबीएम अस्पताल स्थित आचार्य तुलसी क्षेत्रीय कैंसर उपचार एवं अनुसंधान केंद्र में अत्याधुनिक हाई-डोज रेट ब्रैकीथेरेपी सुविधा का उद्घाटन किया। इस अवसर पर श्री मेघवाल ने कहा कि केंद्र सरकार कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के उपचार को आमजन तक सुलभ, किफायती एवं आधुनिक बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है तथा बीकानेर में स्थापित यह सुविधा पूरे उत्तर-पश्चिम भारत के कैंसर मरीजों के लिए वरदान साबित होगी। उन्होंने कहा कि आचार्य तुलसी कैंसर अस्पताल लगातार चिकित्सा सेवाओं में नए आयाम स्थापित कर रहा है और नई एचडीआर ब्रैकीथेरेपी मशीन के माध्यम से अब मरीजों को अधिक सटीक, सुरक्षित एवं प्रभावी उपचार उपलब्ध हो सकेगा। उन्होंने चिकित्सा विशेषज्ञों एवं संस्थान प्रशासन की सराहना करते हुए कहा कि यह सुविधा कैंसर उपचार के साथ चिकित्सा शिक्षा एवं शोध गतिविधियों को भी नई दिशा प्रदान करेगी। लगभग 4 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित यह अत्याधुनिक मशीन टर्शियरी कैंसर केयर सेंटर योजना के अंतर्गत लगाई गई है।

सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य एवं नियंत्रक डॉ. सुरेन्द्र कुमार वर्मा ने बताया कि यह सुविधा उत्तर-पश्चिम राजस्थान के कैंसर मरीजों को अत्याधुनिक एवं सटीक रेडियोथेरेपी उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

संस्थान की निदेशक डॉ. नीति शर्मा ने बताया कि ब्रैकीथेरेपी तकनीक में रेडियोधर्मी स्रोत को सीधे ट्यूमर के भीतर अथवा उसके निकट स्थापित किया जाता है, जिससे कैंसरग्रस्त भाग पर अधिकतम विकिरण प्रभाव पड़ता है तथा आसपास के स्वस्थ अंगों को न्यूनतम नुकसान पहुंचता है। डॉ. राजेश सिवर ने बताया कि इस तकनीक से मरीजों को कम समय में उपचार उपलब्ध कराया जा सकेगा तथा अधिकांश प्रक्रियाएं डे-केयर अथवा आउट-पेशेंट आधार पर संभव होंगी। इससे उपचार के बाद होने वाले दीर्घकालिक दुष्प्रभावों में भी कमी आएगी।

नई एचडीआर ब्रैकीथेरेपी यूनिट का उपयोग मुख्य रूप से स्त्री रोग संबंधी कैंसरों में किया जाएगा, जिसमें सर्वाइकल कैंसर के उपचार को गोल्ड स्टैंडर्ड माना जाता है।

राजस्थान में कई जगह आंधी के साथ हल्की बारिश, तेज गर्मी का दौर जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के अधिकतर इलाकों में तेज गर्मी का दौर जारी है जहां बीते चौबीस घंटे के दौरान कई जगह आंधी के साथ हल्की बारिश भी हुई। मौसम विभाग के अनुसार राज्य में भीषण गर्मी का दौर अभी जारी रहेगा। मौसम केंद्र जयपुर ने बृहस्पतिवार सुबह बताया कि बीते चौबीस घंटे में राज्य में कहीं कहीं हल्के बादल छाए रहे और आंधी के साथ हल्की से मध्यम वर्षा हुई। सर्वाधिक 18.0 मिलीमीटर बारिश सरदार शहर (चुरू) में दर्ज की गई। अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी के बीच भीषण गर्मी के चलते कहीं कहीं ऊष्ण लहर, ऊष्ण रात्रि दर्ज की गई और लू भी चली। फलोदी में अधिकतम तापमान 46.8 डिग्री सेल्सियस रहा। इसके अनुसार, राज्य के अधिकतर भागों में न्यूनतम व अधिकतम तापमान में आगामी दिनों में विशेष परिवर्तन होने की संभावना नहीं है। जोधपुर, बीकानेर संभाग के कुछ भागों में कुछ दिन भीषण गर्मी पड़ेगी। वहीं दक्षिण-पूर्वी भागों में भी आगामी दिनों में अधिकतम तापमान 44 से 45 डिग्री के बीच रहने का अनुमान है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने बजट घोषणाओं के जल्द क्रियान्वयन के निर्देश दिए

जयपुर। राजस्थान के जालोर जिले के दौरे के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बृहस्पतिवार सुबह पंसेरी गांव में पैदल घूमने निकले और गांव वालों से संवाद किया। मुख्यमंत्री ने इस दौरान अधिकारियों से इस जिले के लिए बजट में की गई घोषणाओं के जल्द क्रियान्वयन के संबंध में भी विशेष दिशा-निर्देश दिए। सुबह की सैर पर निकले शर्मा ने ग्रामीणों से खेती बाड़ी व पशुपालन को लेकर चर्चा की।

शासन सचिव, पर्यटन, कला एवं पुरातत्व विभाग ने संपर्क हेल्पलाइन कंट्रोल रूम का किया निरीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पर्यटन विभाग तथा कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग की शासन सचिव श्रीमती शुचि त्यागी ने गुरुवार को शासन सचिवालय स्थित राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन (181) कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर विभागीय प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान शासन सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि संपर्क पोर्टल पर दर्ज शिकायतों का त्वरित, समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि आमजन से जुड़े प्रकरणों में संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ कार्य किया जाए ताकि परिवादियों को शीघ्र राहत मिल सके।

बैठक में पर्यटन विभाग, देवस्थान विभाग, कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, राजस्थान पर्यटन विकास निगम (ठढऊउ), जवाहर कला केन्द्र तथा आमेर विकास एवं प्रबंधन प्राधिकरण से संबंधित शिकायतों की समीक्षा की गई।

श्रीमती त्यागी ने लंबित प्रकरणों के शीघ्र समाधान के निर्देश देते हुए कहा कि शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा परिवादियों की संतुष्टि सुनिश्चित की जाए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को शिकायतों की नियमित मॉनिटरिंग एवं प्रभावी फॉलोअप करने के भी निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान शासन सचिव श्रीमती शुचि त्यागी ने परिवादियों से संवाद भी किया। जयपुर के महेश अग्रवाल एवं पुराण सिंह ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के अंतर्गत आवेदन स्वीकार नहीं होने संबंधी समस्या से अवगत कराया। इस पर शासन सचिव ने बताया कि योजना के लिए आवेदन प्रतिवर्ष आमंत्रित किए जाते हैं।

भाजपा ने आर्थिक पतन से ध्यान भटकाने के लिए राहुल के विदेश दौरे का मुद्दा उठाया : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने अपने पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के विदेश दौरों को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के हमले के बाद बृहस्पतिवार को पलटवार करते हुए कहा कि सत्तारूढ़ दल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हुए ''आर्थिक पतन'' से जुड़े विषयों से ध्यान भटकाने के लिए नेता प्रतिपक्ष पर निशाना साध रहा है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि भाजपा नेता संबित पात्रा ने मंत्री पद पर अपना दावा पेश करने के लिए गांधी की विदेश यात्राओं का मामला उठाया है।

रमेश ने कटाक्ष किया कि पात्रा को मंत्री बनने के लिए बेहतर विषय की तलाश करनी चाहिए। भाजपा प्रवक्ता पात्रा ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की विदेश यात्राओं पर सवाल उठाते हुए उनकी आय के स्रोत के खुलासे की मांग की। उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी की साल दर साल आय और उनकी विदेश यात्राओं पर होने वाले खर्च के बीच स्पष्ट विसंगति है। रमेश ने पलटवार करते हुए कहा, ''यह सब भाजपा के संबित पात्रा की ध्यान भटकाने की कोशिश है। असली मुद्दा आर्थिक पतन का है जो देश को घेर रहा है। असली मुद्दे विदेश नीति में असफलताएं हैं। ये असली मुद्दे हैं।''

ज्ञानवापी मामले में वुजूखाना एएसआई सर्वेक्षण याचिका पर सुनवाई टली

प्रयागराज/भाषा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने वाराणसी स्थित ज्ञानवापी मस्जिद के वुजूखाना क्षेत्र के भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) से सर्वेक्षण की मांग वाली याचिका पर सुनवाई बृहस्पतिवार को टाल दी। अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 20 जुलाई, 2026 की तारीख तय की है।

न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल, वाराणसी की एक अदालत में वादकारियों में से एक राखी सिंह द्वारा दायर पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई कर रहे हैं। बृहस्पतिवार को सुनवाई के दौरान अदालत को बताया गया कि यह मामला उच्चतम न्यायालय में लंबित है। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए अदालत ने सुनवाई टाल दी। यह पुनरीक्षण याचिका वाराणसी के जिला न्यायाधीश के 21 अक्टूबर, 2023 के आदेश को चुनौती देते हुए दायर की गई है, जिसमें ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में वुजूखाना क्षेत्र (कथित शिवलिंग को छोड़कर) के सर्वेक्षण के लिए एएसआई को निर्देश देने से इनकार कर दिया गया था।

ओडिशा: सरकारी अभियंता के पास सात भूखंड और भवन होने का खुलासा

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के भद्रक जिले में बृहस्पतिवार को एक सरकारी अभियंता के पास कथित तौर पर कई संपत्तियां पाई गई जिनमें सात भूखंड और दो आवासीय भवन शामिल हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सतर्कता विभाग ने कनिष्ठ अभियंता से जुड़े चार स्थानों पर एक साथ छापेमारी की। उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई इस आरोप के बाद की गई कि कनिष्ठ अभियंता के पास उसकी ज्ञात आय के स्रोतों से कहीं अधिक संपत्तियां हैं।

अधिकारी ने बताया कि छापेमारी के दौरान भ्रष्टाचार रोधी शाखा के कर्मियों ने सात भूखंडों का पता लगाया। उन्होंने कहा कि इन भूखंड़ों में से दो भद्रक कस्बे में, एक भुवनेश्वर के बाहरी इलाके में, तीन बालासोर जिले के बस्ता कस्बे के बाहरी इलाके में और एक मयूरभंज जिले के अमर्दा में है।

उन्होंने बताया कि छापेमारी के दौरान भद्रक में तीन मंजिला एक इमारत और बालासोर में दो मंजिला एक इमारत का पता चला। अधिकारी ने बताया कि अचल संपत्तियों के अलावा 1.73 लाख रुपए नकद, सोने के आभूषण और बैंक जमा राशि बरामद की गई। एक अधिकारी ने बताया, छापेमारी और संपत्तियों का सत्यापन जारी है। उन्होंने बताया कि बरामदगी के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

चुनाव बाद हिंसा के दौरान पुलिस निष्क्रिय रही, बंगाल 'बुलडोजर राज्य' नहीं : ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय से कहा कि पश्चिम बंगाल में हाल में संपन्न विधानसभा चुनाव के बाद हुई हिंसा के दौरान पुलिस निष्क्रिय रही। उन्होंने पश्चिम बंगाल में अवैध ढांचों के खिलाफ जारी विध्वंस अभियान के बीच कहा कि यह (बंगाल) बुलडोजर राज्य नहीं है।

ममता विधानसभा चुनाव के नतीजों की घोषणा के बाद तृणमूल कार्यकर्ताओं के खिलाफ कथित हिंसा और पार्टी दफ्तरों पर हमलों से जुड़े मामले में दलीलें देने के लिए बृहस्पतिवार को उच्च न्यायालय में पेश हुईं। उन्होंने राज्य के लोगों को हमलावरों से बचाने के लिए तत्काल न्यायिक हस्तक्षेप का अनुरोध किया।

एलएलबी डिग्री धारी ममता हाल के समय में किसी मामले में वकील के तौर पर दलीलें पेश करने के लिए अदालत में दूसरी बार पेश हुईं। वहीं, बंगाल चुनाव में तृणमूल की हार के बाद यह बतौर वकील अदालत में उनकी पहली उपस्थिति थी। इससे पहले उन्होंने राज्य में मतदाता सूचियों की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को चुनौती देने वाली अपनी याचिका पर अदालत में व्यक्तिगत रूप से पेश होकर दलीलें दी थीं। ममता वकील का गाउन पहनकर उच्च न्यायालय पहुंचीं। इस दौरान तृणमूल कांग्रेस की वरिष्ठ नेता

ममता विधानसभा चुनाव के नतीजों की घोषणा के बाद तृणमूल कार्यकर्ताओं के खिलाफ कथित हिंसा और पार्टी दफ्तरों पर हमलों से जुड़े मामले में दलीलें देने के लिए बृहस्पतिवार को उच्च न्यायालय में पेश हुईं।

चंद्रिमा भट्टाचार्य और कल्याण बनर्जी भी उनके साथ थे। चंद्रिमा और कल्याण बनर्जी के पास भी कानून की डिग्री है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कल्याण बनर्जी के बेटे और उत्तरपाड़ा विधानसभा सीट से तृणमूल उम्मीदवार शीर्षन्या बंद्योपाध्याय की ओर से दायर याचिका पर मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पाल और न्यायमूर्ति पार्थ सारथी सेना की खंडपीठ के समक्ष दलीलें पेश कीं।

ममता ने कहा कि चुनाव परिणामों की घोषणा के बाद राज्य में कम से कम 10 लोगों की हत्या कर दी गई, तृणमूल कांग्रेस के लगभग 150-160 कार्यालयों में तोड़फोड़ की गई और हिंसा की लगभग 2,000 घटनाएं हुईं। उन्होंने कहा, 10 मृतकों में से छह हिंदू हैं। कृपया पुलिस से उचित कार्रवाई करने के लिए कहें। वे पुलिस को प्राथमिकी दर्ज नहीं करने दे रहे हैं। मेरे परिवार में 12 साल की बच्चियों को बलात्कार की धमकी दी जा रही है।

ममता ने आरोप लगाया कि स्थिति इस हद तक बिगड़ गई है कि वह खुद भी शिकायत दर्ज कराने के लिए पुलिस थाने तक नहीं पहुंच पा रही हैं और उन्हें ऑनलाइन माध्यम का सहारा लेना पड़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में मछली बाजारों और मांस की दुकानों पर सुनियोजित तरीके से हमले किए गए हैं। ममता ने पीठ के समक्ष पेश तस्वीरों का हवाला देते हुए कहा कि महिलाओं, बच्चों और अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों को खास तौर पर निशाना बनाया गया है, जबकि पार्टी कार्यालयों में पुलिस के सामने लूटपाट की गई है और उन पर कब्जा कर लिया गया है। उन्होंने कहा, अनुसूचित जाति (एससी) के एक परिवार, जिसमें 92 वर्षीय विधवा भी शामिल थी, को उसके घर से निकाल दिया गया। उन्होंने (भाजपा समर्थकों ने) कई घरों में तोड़फोड़ की। बड़ी संख्या में लोग हिंसा झेल रहे हैं, जिनमें सामान्य जाति के हिंदू भी शामिल हैं।

पश्चिम एशिया संकट से निपटने के लिए निभानी होगी सामूहिक जिम्मेदारी : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पश्चिम एशिया में जारी युद्ध से उत्पन्न वैश्विक संकट से निपटने के लिए जनता से एकजुट होने का आह्वान करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि इस चुनौती से पार पाने के लिए सभी को सामूहिक जिम्मेदारी निभानी होगी।

मुख्यमंत्री ने यहां एक प्रमुख अंग्रेजी दैनिक द्वारा आयोजित '9 डिफाइनिंग इयर्स ऑफ ट्रांसफॉर्मिंग यूपी' कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए कहा कि जिस तरह कोविड-19 महामारी के दौरान देशवासियों ने एकजुट होकर संकट का सामना किया था, उसी प्रकार पश्चिम एशिया में उत्पन्न परिस्थितियों के बीच भी राष्ट्रीय भावना और सामूहिक उत्तरदायित्व के साथ आगे बढ़ने

की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, यह एक वैश्विक संकट है, जिसका असर ईंधन, खाद्य और उर्वरक आपूर्ति पर पड़ सकता है। ऐसे समय में प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह सार्वजनिक परिवहन और अक्षय ऊर्जा जैसे विकल्पों को अपनाकर देश की आत्मनिर्भरता की मुहिम को मजबूत करे।

आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पेट्रोल और डीजल की खपत कम करने संबंधी हालिया अपील का उल्लेख करते हुए ईंधन बचत के लिए वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों, कार पूलिंग, मेट्रो, इलेक्ट्रिक वाहनों और शटल बस जैसी व्यवस्थाओं को अपनाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि संकट के समय देशहित सर्वोपरि होना चाहिए और हर नागरिक का दायित्व है कि वह राष्ट्रहित में अपना योगदान दे। उन्होंने प्रधानमंत्री की अपील की आलोचना करने वालों पर निशाना साधते हुए कहा कि किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले प्रधानमंत्री की अपील को गंभीरता से पढ़ना, समझना और उस पर विचार करना चाहिए। आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य के 7,700 से अधिक गोआश्रय स्थलों में संरक्षित 15 लाख से अधिक गोवंशीय पशुओं के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में गोबर गैस संयंत्र आधारित सामूहिक रसोई मॉडल विकसित करने की योजना है, ताकि रसोई गैस (एलपीजी) पर निर्भरता कम की जा सके।

बिहार में अगले पांच साल में हवाई संपर्क को 10 गुना बढ़ाने का लक्ष्य : सम्राट चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि अगले पांच साल में राज्य में हवाई संपर्क को 10 गुना बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि प्रदेश से हर वर्ष चार से पांच करोड़ लोग हवाई यात्रा कर सकें।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने दरभंगा हवाई अड्डे की सुरक्षा केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) को सौंपे जाने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करने के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम का आयोजन सीमित स्तर पर किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने देशवासियों से ईंधन की बचत और अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम आयोजित करने तथा आवश्यकतानुसार कम वाहनों के उपयोग का आह्वान किया है। इसी के अनुरूप राज्य सरकार ने जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों को न्यूनतम वाहनों के उपयोग के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि मिथिला की धरती भारतीय संस्कृति को समृद्ध बनाने वाली भूमि है और यहां के उत्पादों की पहचान वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ रही है। चौधरी ने कहा कि मखाना को आज दुनिया 'सुपर फूड' के रूप में जानती है और इसकी पहचान मिथिलांचल से जुड़ी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2005-06 में बिहार से हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या लगभग 2.5 लाख थी, जो अब बढ़कर 50 लाख से अधिक हो गई है।

मणिपुर में हिंसा रोकने में राज्य और केंद्र सरकार विफल : कांग्रेस

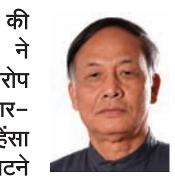

इंफाल/भाषा। कांग्रेस की मणिपुर इकाई ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि राज्य में बार-बार हो रही हिंसा संवेदनशील मुद्दों से निपटने में राज्य और केंद्र सरकार की विफलता का परिणाम है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि केंद्र तथा मणिपुर सरकार अपनी संवैधानिक शक्तियों का सही ढंग से इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं इसलिए राज्य में बार-बार हिंसा हो रही है। कांग्रेस की ओर से यह बयान ऐसे समय में आया है जब एक दिन पहले कांगपोकपी जिले में संदिग्ध उग्रवादियों ने चर्च के तीन पदाधिकारियों की गोली मारकर हत्या कर दी।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ओ. इबोबी सिंह ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, हम इन हत्याओं की कड़ी निंदा करते हैं। बुधवार सुबह एक समुदाय के तीन लोगों की हत्या कर दी गई, जबकि शाम को दूसरे समुदाय के एक नागरिक की जान ले ली गई, जो पहली घटना के प्रतिशोध जैसा प्रतीत होता है। तीन बार मणिपुर के मुख्यमंत्री रह चुके इबोबी सिंह ने सवाल किया, राज्य में लगातार हो रही हत्याओं पर केंद्र सरकार कब तक मूकदर्शक बनी रहेगी। ऐसा लगता है मानो राज्य को उसके हाल पर छोड़ दिया गया है और विभिन्न समुदायों को एक-दूसरे की हत्या करने की खुली छूट मिल गई है। उन्होंने 2023 में हुई जातीय हिंसा का उल्लेख करते हुए कहा, उच्चतम न्यायालय भी पहले कह चुका है कि राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। कांग्रेस नेता ने कहा, विभिन्न समुदायों के लोगों द्वारा एक-दूसरे की हत्या करना किसी समस्या का समाधान नहीं हैं।

सर्वाधिक गन्ना मूल्य भुगतान करने वाला राज्य बना उत्तर प्रदेश, उत्पादन में भी शीर्ष पर

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने 2017 से अबतक गन्ना किसानों को 3,21,963 करोड़ रुपए का रिकॉर्ड गन्ना मूल्य का भुगतान सुनिश्चित करके इतिहास रचा है। यहां जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। भुगतान राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में स्थानांतरित की जा रही है, जिससे बिचौलियों की भूमिका भी समाप्त हो रही है।

एक बयान में कहा गया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार पहले दिन से ही किसानों के हित में कार्य कर रही है। अपने पहले फैसले में किसानों की 36 हजार करोड़ रुपए से अधिक की कर्जमाफी करने वाली सरकार के निर्देश पर किसानों को समय से गन्ना मूल्य भुगतान कराया जा रहा है। उप्र सरकार की नीतियों, पारदर्शी व तकनीक आधारित व्यवस्था ने गन्ना किसानों को वर्ष 2017 से अबतक कुल 3,21,963 करोड़ का रिकॉर्ड गन्ना मूल्य भुगतान कराकर इतिहास रचा है। भुगतान की धनराशि सीधे किसानों के बैंक खातों में भेजी जा रही है, जिससे बिचौलियों की भूमिका भी समाप्त हो गई।

गन्ना एवं चीनी उद्योग अब प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ बन चुका है।

ओडिशा में पेट्रोल पंपों पर वाहनों की लंबी कतारें लगीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में बृहस्पतिवार को पेट्रोल पंपों पर वाहनों की लंबी कतारें देखी गईं, जिनमें से कुछ पर ''भंडार समाप्त'' का बोर्ड लगा हुआ था। हालांकि, राज्य सरकार ने दावा किया कि राज्य में ईंधन की कोई कमी नहीं है और यह स्थिति कुछ लोगों द्वारा घबराहट में खरीदारी करने के कारण उत्पन्न हुई है।

मुख्य सचिव अनु गर्ग ने यहां पत्रकारों से कहा, ''हमें इस मामले की जानकारी है। राज्य सरकार जल्द ही इस संबंध में निर्णय लेगी।'' राज्य की राजधानी भुवनेश्वर के अलावा कालाहांडी, केंद्रपाड़ा और अन्य स्थानों से भी पेट्रोल पंपों पर वाहनों की लंबी कतारों की खबरें सामने आईं। हालांकि सभी पेट्रोल पंपों ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अवरोधक लगाए, वहीं कुछ पेट्रोल पंप ने दोपहिया वाहनों को 200 रुपए तक और चार पहिया वाहनों को 2,000 रुपए तक ही ईंधन लेने की अनुमति देकर आपूर्ति को नियंत्रित किया। 'उत्कल पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन' के महासचिव संजय लाथ ने कहा कि यह एक अस्थायी दौर है जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लोगों से पेट्रोल तथा डीजल का उपभोग करते समय सतर्क रहने की अपील के बाद ईंधन की घबराहट भरी खरीदारी के कारण उत्पन्न हुआ है। उन्होंने कहा, ''लोगों ने प्रधानमंत्री के मितव्ययिता संबंधी संदेश को गलत समझा है। ओडिशा में पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडार है। यहां कोई कमी नहीं है और लोगों को अफवाहों पर विश्वास नहीं करना चाहिए।'' लाथ ने बताया कि राज्य में मौजूद 3,000 में से लगभग 100 पंप में पिछले दो-तीन दिनों में लोगों की घबराहट में अधिक खरीदारी के ईंधन भंडारण समाप्त हो गया हैं।

नीट-यूजी परीक्षा रद्द होने के मुद्दे पर राजनीति कर रहा विपक्ष : राजग नेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के नेताओं ने बृहस्पतिवार को कहा कि विपक्षी दल राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट)-यूजी रद्द किए जाने के मुद्दे का राजनीतिकरण कर रहे हैं और छात्रों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक मामले में शामिल आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी और किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

देशभर में तीन मई को आयोजित नीट-यूजी 2026 परीक्षा को पेपर लीक के आरोपों के बीच मंगलवार को रद्द कर दिया गया था। केंद्र सरकार द्वारा मामले में अनियमितताओं की व्यापक जांच के निर्देश दिए जाने के बाद केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने प्राथमिकी दर्ज की है। जनता दल (यूनाइटेड) की बिहार इकाई के

अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने यहां संवाददाताओं से कहा, नीट-यूजी पेपर लीक मामले में शामिल लोगों के खिलाफ संबंधित प्राधिकारियों ने कार्रवाई शुरू कर दी है। आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। विपक्षी दल केवल इस मुद्दे का राजनीतिकरण कर रहे हैं और छात्रों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं।

कुशवाहा ने पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण ईंधन और अन्य आपूर्ति में व्यवधान की चुनौती से निपटने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा हाल में घोषित मितव्ययिता उपायों की भी सराहना की। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री की ईंधन संरक्षण अपनाने की हालिया अपील के बाद बिहार समेत विभिन्न राज्य सरकारों ने इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। यह फैसला देशहित में लिया गया है। इसी तरह की राय व्यक्त करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता गुरु प्रकाश पासवान ने कहा, प्रधानमंत्री की अपील के बाद कई राज्य सरकारों ने मितव्ययिता अभियान के तहत व्यापक कदम उठाए हैं। प्रधानमंत्री ने स्वयं मितव्ययिता उपाय अपनाकर दूसरों के लिए उदाहरण पेश किया है। विपक्षी दल इन उपायों की आलोचना कर नकारात्मक राजनीति कर रहे हैं।

नीट-यूजी परीक्षा रद्द किए जाने के संबंध में पूछे गए सवाल पर भाजपा प्रवक्ता ने कहा, मैं इतना ही कहना चाहूंगा कि केंद्रीय जांच एजेंसियां मामले की जांच कर रही हैं और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। एजेंसियों को अपना काम करने दीजिए।

स्विंग गेंदबाजी की लय फिर हासिल करने के लिए अपने ही पुरानी वीडियो देख रही हूं : रेणुका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारत की अनुभवी तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह पिछले महीने दक्षिण अफ्रीका के कठिन दौरे के बाद स्विंग गेंदबाजी की लय फिर हासिल करने के लिए अपने ही पुराने वीडियो देख रही है।

दुनिया की तीसरे नंबर की भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका ने पांच मैचों की टी20 श्रृंखला में 4 . 1 से हराया।

रेणुका ने 12 जून से शुरू हो रहे टी20 विश्व कप से पहले पीटीआई को दिए इंटरव्यू में कहा ,'' मैं रोज अभ्यास करती हूं लेकिन हर बार गेंद को स्विंग नहीं मिलता । दक्षिण अफ्रीका में गेंदबाजी को लेकर काफी संघर्ष करती रही । लेकिन अब मेरे पास अपनी स्विंग वापिस पाने के लिए 10 . 15 दिन का समय है ।''

टूर्नामेंट का प्रसारण और लाइवस्ट्रीम जियो हॉटस्टार और स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर किया जायेगा।

रेणुका ने कहा ,'' जब आप अच्छा प्रदर्शन नहीं करते तो कुछ भी आपके लिए काम नहीं करता । मैं कुछ समय से गेंद स्विंग नहीं करा पा रही थी और उसे वापिस पाने की कोशिश थी । मैं अपने पुराने वीडियो देख रही हूं कि पहले मैं

क्या करती थी और उम्मीद है कि लय वापिस पा लूंगी ।'' भारतीय टीम 10 से 16 मई तक बेंगलूरु में उत्कृष्टता केंद्र में अभ्यास शिविर में थी और जल्दी ही द्विपक्षीय श्रृंखला और टी20 विश्व कप के लिए इंग्लैंड जायेगी ।

भारतीय टीम टी20 विश्व कप से पहले इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20 श्रृंखला खेलेगी । इसके अलावा लॉर्ड्स पर एक टेस्ट भी खेला जायेगा ।

रेणुका ने कहा ,'' हम फिटनेस से लेकर कौशल तक हर पहलू पर काम कर रहे हैं । हमें पता है कि इसके बाद समय नहीं मिलेगा तो हर पहलू को समान महत्व दिया जा रहा है । पूरी तैयारी के साथ दौरे पर जाना अच्छा है ।''

कुकी और नगा समुदायों के 38 से अधिक लोगों को विभिन्न समूहों ने बंधक बनाया है : मणिपुर के गृह मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर के गृह मंत्री गोविंदास कोंथौजम ने कहा कि राज्य में विभिन्न समूहों द्वारा नगा और कुकी समुदायों से संबंधित ''38 से अधिक लोगों'' को बंधक बना लिया है। यह बयान ऐसे समय में सामने आया है, जब मणिपुर के कांगपोकपी जिले में संदिग्ध उग्रवादियों के हमले में चर्च के तीन पदाधिकारियों की मौत हो गई और चार घायल हो गए जबकि नोनी जिले में एक की गोली मारकर हत्या कर दी और उसकी पत्नी घायल हो गई।

कोंथौजम ने कहा, ''कुल मिलाकर, दोनों समुदायों के 38 से अधिक लोगों को विभिन्न समूहों द्वारा बंधक बना लिया गया है। हम उनकी रिहाई सुनिश्चित करने के लिए नागरिक समाज समूहों और नेताओं के साथ सक्रिय रूप से बातचीत कर रहे हैं।'' गृह मंत्री ने ये टिप्पणियां बुधवार शाम को नोनी जिले के जौजांगटेक के पास हुए हमले में मारे गए नागरिक के परिवार से मुलाकात के दौरान कीं। मंत्री ने कहा, ''हमने केंद्रीय गृह मंत्रालय को इस बारे में सूचित कर दिया है और बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने के प्रयास जारी हैं। हमें संदेह है कि कुछ लोग ऐसे हैं जो मणिपुर में शांति बहाल नहीं होने देना चाहते।''

सुविचार

जहाँ नाराजगी की कदर न हो, वहाँ नाराज होना छोड़ देना चाहिए, रिश्तों की डोर अगर बोझ बन जाए, तो उसे तोड़ देना चाहिए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शिकायत से नहीं, मितव्ययता से पार होगी चुनौती

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों से किए गए मितव्ययता संबंधी आह्वान के बाद कुछ लोग अफवाहें फैलाकर नागरिकों का मनोबल तोड़ने का काम कर रहे हैं। कोई व्यक्ति सोशल मीडिया पर कह रहा है– 'लॉकडाउन लगने वाला है', तो कोई शिकायत कर रहा है– 'समय रहते तेल का पर्याप्त भंडारण क्यों नहीं किया गया?' हमारे देश में एक वर्ग ऐसा है जो जरा–सा चुनौतीपूर्ण समय आते ही शिकायतों की बहुत लंबी सूची निकाल लेता है। ये लोग जिम्मेदार नागरिक के तौर पर कर्तव्य निभाने के बजाय शिकायतें करने का काम पूरी ऊर्जा से करते हैं। क्या भारत के पास तेल के बड़े–बड़े कुएं हैं? देश ने अपनी जरूरतों के लिए तेल का भंडारण किया था, जिसकी वजह से कीमतें अब तक काबू में हैं। ध्यान रखें, इतने बड़े देश के लिए तेल का हर भंडारण कम ही पड़ता। प्रधानमंत्री को एक दिन मितव्ययता अपनाने का आह्वान करना ही पड़ता। लॉकडाउन लगाने संबंधी कयास बिल्कुल निराधार हैं। क्या कोई महामारी आ गई है कि कोरोना काल की तरह लॉकडाउन लगाना पड़ेगा? मुद्दा यह है कि पश्चिम एशिया में हालात तनावपूर्ण हैं। वहां निकट भविष्य में क्या होगा, इस बारे में कोई कुछ नहीं कह सकता। हो सकता है कि जल्द ही शांति समझौता हो जाए या जंग दोबारा भड़क उठे। अगर देर–सबेर शांति समझौता हो भी गया तो वह कितने दिन टिकेगा? इसकी गारंटी कोई नहीं दे सकता। हमें हर परिस्थिति का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए। कुछ लोग चाहते हैं कि उनके जीवन में कोई समस्या न आए। वे बटन दबाएं तो कमरे में रोशनी हो जाए, बटन दबाएं तो एसी चल जाए, थाली में रोजाना आठ तरह के पकवान परोसे जाएं और थोड़ी दूर भी जाना हो तो कार तैयार मिले।

वे संघर्ष से दूर भागते हैं। अगर एक रात किसी तकनीकी खराबी की वजह से बिजली न आए तो वे अंधेरे में बैठकर व्यवस्था को कोसते रहेंगे। उन्होंने अंधेरे का सामना करने के बारे में कभी सोचा ही नहीं था। अगर किसी दिन थाली में सिर्फ दाल–रोटी हो तो वे हंगामा खड़ा कर सकते हैं। वे पैदल चलने को अपनी तौहीन समझते हैं। उन्हें सबकुछ वही चाहिए, जो पसंद है। बहादुर कौमें हालात से जूझना जानती हैं। वे अंधेरे से लड़ने के लिए हमेशा तैयार रहती हैं। इस समय देश पर न तो स्वास्थ्य संबंधी कोई संकट है, न कोई आर्थिक संकट है। बात सिर्फ इतनी है कि हर नागरिक यह ध्यान रखे कि हमें विदेशी मुद्रा बचानी है, इसलिए ईंधन की अनावश्यक खपत न करें। अभी सोना नहीं खरीदने, वर्क फ्रॉम होम को प्राथमिकता देने, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने, खाने में तेल कम डालने, खेतों में रासायनिक उर्वरक कम डालने, स्वदेशी को बढ़ावा देने और खास जरूरत न हो तो विदेश यात्रा नहीं करने के आह्वान के पीछे यही मकसद है कि विदेशी मुद्रा की बचत हो। हमें बचपन में बचत करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता था। यह एक अच्छी आदत है। जिस घर में लोग बचत करना जानते हैं, वह चुनौतीपूर्ण समय को बड़ी आसानी से पार कर लेता है। पहले, गांवों में जब कुएं की मोटर खराब हो जाती थी, तब घर के बड़े–बुजुर्ग समझाते थे कि 'पानी व्यर्थ नहीं बहाना है, जितनी जरूरत है, उतना ही उपयोग करना है।' ऐसा कहना कोई गलत बात नहीं थी। इससे घर के सदस्यों में पानी को लेकर अनुशासन रहता था। जिन कार्यों में पानी की ज्यादा खपत होती थी, जैसे– फर्श, वाहन और ऊनी कपड़े धोने, आंगन में छिड़काव करने, बगीचे में पानी देने आदि, उस दिन नहीं होते थे। अगले दिन जब कुएं की मोटर ठीक हो जाती थी, तब सारे कामकाज सामान्य ढंग से होने लगते थे। बस, इस समय हमें ऐसा ही अनुशासन रखना है। प्रधानमंत्री ने यह नहीं कहा है कि ईंधन बचाने की कोशिश में 'रोटी न खाएं या ऊंट पर बैठकर दफ्तर जाएं।' अगर सभी लोग कुछ दिनों के लिए मितव्ययता का पालन करेंगे तो चुनौतीपूर्ण समय बहुत आसानी से बीत जाएगा।

ट्वीटर टॉक

आज बीकानेर संसदीय क्षेत्र के दौरे के दौरान, जिले के 40 सरकारी स्कूलों में हुडको सीएसआ स्कीम के तहत मॉडर्न फर्नीचर समेत क्लासरूम में स्मार्ट बोर्ड का उद्घाटन गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सुजानदेसर में किया गया।

–अर्जुनराम मेघवाल

पूर्व उप राष्ट्रपति भैरों सिंह शेखावत सबसे महान नेताओं में से एक थे। पूरा राजस्थान जानता है कि उनके जीवनकाल में भाजपा ने उन्हें कभी वह पूरा सम्मान नहीं दिया जिसके वे हकदार थे। कांग्रेस सरकार ने मुख्यमंत्री के आवास पर उनके सम्मान में एक बड़ा समारोह आयोजित किया।

–अशोक गहलोत

छत्रपति शिवाजी महाराज के वीर पुत्र और अदम्य वीरता के प्रतीक छत्रपति संभाजी महाराज की जयंती पर कोटि–कोटि नमन। स्वराज्य, स्वाभिमान और धर्म की रक्षा के लिए समर्पित आपका अद्वितीय साहस और बलिदान आने वाली अनगिनत पीढ़ियों को हमेशा प्रेरित करता रहेगा।

–वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

परोपकार से देवत्व

चीनी महान दार्शनिक कन्फ्यूशस के ज्ञान और बुद्धिमत्ता की चर्चा दूर–दूर तक होती थी। एक दिन चीन के सम्राट ने उनसे प्रश्न किया, 'बताइए, इस संसार में देवताओं से भी महान कौन हो सकता है?' कन्फ्यूशस मुस्कुराए और बोले, 'महाराज, सत्य को जानने की जिज्ञासा रखने वाला व्यक्ति महान होता है जैसे आप।' सम्राट यह उत्तर सुनकर संतुष्ट तो हुए, लेकिन उनके मन में फिर प्रश्न उठा। उन्होंने दोबारा पूछा, 'क्या कोई और भी है जो देवताओं से महान है?' इस बार कन्फ्यूशस सम्राट को अपने साथ नगर के बाहर ले गए। वहां एक वृद्ध व्यक्ति बड़ी शांति और लगन से कुआं खोद रहा था। उसकी उम्र काफी हो चुकी थी, फिर भी उसके चेहरे पर थकान नहीं, बल्कि संतोष दिखाई दे रहा था। वह पूरी तन्मयता से लोगों के लिए पानी की व्यवस्था करने में लगा हुआ था। कन्फ्यूशस ने सम्राट से कहा, 'महाराज, यह वृद्ध व्यक्ति देवताओं से भी महान है। यह अपने जीवन की बची हुई घड़ियों को केवल अपने लिए नहीं, बल्कि लोकहित और परोपकार के लिए समर्पित कर रहा है। जो व्यक्ति दूसरों के सुख और भलाई के लिए अपना समय, श्रम और जीवन लगा देता है, वही सच्चे अर्थों में महान कहलाता है।'

सामयिक

दवा नहीं, जहर का कारोबार: भारत की साख पर संकट

ललित गर्ग
मो. 9811051133

दवाओं की गुणवत्ता से खिलवाड़ दवा निर्माता कम्पनियों का एक घिनौना, क्रूर एवं अमानवीय चेहरा ही है जो मनुष्य के स्वास्थ्य को चैपट कर रहे हैं। एक तो बीमारियों का कोई कारगर इलाज नहीं है, दूसरा इन बीमारी में काम आने वाली तमाम जरूरी दवाइयां लालची लोगों ने अमानक एवं दोषपूर्ण कर दी हैं। बढ़ती बीमारियां इन राक्षसों के कारण ही बेकाबू हो रही है।

पिछले दिनों सामने आई खबरों ने पूरे देश को चिंता और बेचैनी में डाल दिया कि जीवनरक्षक और सामान्य उपयोग की अनेक दवाइयां गुणवत्ता के मानकों पर खरी नहीं उतरीं। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन द्वारा जारी ड्रग अलर्ट में जिन दवाओं के नमूने फेल पाए गए, उनमें हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मिर्गी, संक्रमण, विटामिन सप्लीमेंट और कफ सिरप जैसी आम उपयोग की दवाएं भी शामिल थीं। यह कोई सामान्य प्रशासनिक त्रुटि नहीं, बल्कि मानव जीवन के साथ किया जा रहा ऐसा खतरनाक खिलवाड़ है, जिसने देश की स्वास्थ्य सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। जिस दवा को रोगी जीवन बचाने की आशा में खरीदता है, वही यदि उसके शरीर में जहर का काम करने लगे तो यह केवल चिकित्सा व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं के पतन की पराकाष्ठा है। विडंबना यह है कि दवाओं के निर्माण और वितरण के लिए देश में कठोर नियम, निरीक्षण और परीक्षण की व्यवस्थाएं मौजूद हैं। कच्चे माल की गुणवत्ता से लेकर उत्पादन प्रक्रिया तक कई स्तरों पर जांच होती है, फिर भी बड़ी–बड़ी नामी कंपनियों की दवाइयां यदि अमानक पाई जाती हैं तो यह साफ संकेत है कि कहीं–न–कहीं मुनाफे की अंधी दौड़ ने नैतिकता और मानवता को कुचल दिया है। यह केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध अपराध है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि जिन लोगों पर समाज की जिंदगी बचाने की जिम्मेदारी है, वही लोग अपने स्वार्थ के लिए लोगों की जिंदगी दांव पर लगा रहे हैं।

भारत आज दुनिया की सबसे बड़ी दवा उत्पादन शक्तियों में शामिल है। भारतीय दवाइयां अमेरिका, यूरोप, अफ्रीका, एशिया और मध्य–पूर्व के अनेक देशों में निर्यात होती हैं। भारत को फार्मेसी ऑफ द वल्र्ड कहा जाता है क्योंकि सस्ती और प्रभावी दवाओं की आपूर्ति में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। कोरोना महामारी के दौरान भारत ने वैक्सीन और आवश्यक दवाइयों की आपूर्ति कर पूरी दुनिया में अपनी विश्वसनीयता और मानवीय प्रतिबद्धता का परिचय दिया था। जिन राज्यों में उत्पादित घटिया दवाओं का खुलासा हुआ, उनमें हिमाचल प्रदेश पहले पायदान पर रहा, फिर उत्तराखंड, गुजरात, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, केरल, पुडुचेरी, तेलंगाना, सिक्किम, झारखंड, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, ओडिशा आदि राज्य शामिल हैं। यानी एक–दो राज्य नहीं, तमाम राज्यों के दवा उत्पादक इस अपवित्र कर्म में शामिल हैं। यूं कहें कि दाल में काला नहीं है बल्कि पूरी दाल काली है। विडंबना देखिए कि कफ सिरप के 17 नमूने फेल हुए हैं। अब यह साफ हो गया कि अफ्रीका व सेंट्रल एशिया के कुछ देशों तथा भारत के कुछ राज्यों में कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत के जो आरोप भारतीय दवा कंपनियों पर लगे थे, वे गलत नहीं थे, जिससे पूरी दुनिया में भारतीय दवा उद्योग की छवि खराब हुई।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत की प्रतिष्ठा को धक्का लगता है और दुनिया भारतीय दवा उद्योग को संदेह की दृष्टि से देखने लगती है। यह स्थिति ऐसे समय में सामने आ रही है जब भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत 2047 तक स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर विकसित भारत का सपना साकार करने की दिशा में अनेक नए आयाम स्थापित कर रहा है। भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधारों के माध्यम से देश वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है। भारत को विश्वगुरु बनाने का सपना केवल आर्थिक विकास से नहीं, बल्कि नैतिकता, गुणवत्ता और विश्वसनीयता से भी जुड़ा हुआ है। यदि जीवनरक्षक दवाओं में ही मिलावट और घटियापन सामने आएगा, तो यह सारे सकारात्मक प्रयासों पर धब्बा लगाने जैसा होगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकार दवा नियंत्रण व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाए। केवल औपचारिक निरीक्षण और समय–समय पर जारी होने वाले ड्रग अलर्ट पर्याप्त नहीं हैं। दवा निर्माण इकाइयों की नियमित और पारदर्शी जांच होनी चाहिए। जिन कंपनियों की दवाएं बार–बार मानकों पर फेल होती हैं, उनके लाइसेंस तुरंत रद्द किए जाएं और उनके खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई हो। दवा माफिया और नकली दवा बनाने वाले गिरोहों के खिलाफ विशेष अभियान चलाए जाने चाहिए। यह भी जरूरी है कि दोषियों को केवल आर्थिक जुर्माने तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें कठोर कारावास की सजा दी जाए ताकि दूसरों के लिए भी कड़ा संदेश जाए। यह भी एक गंभीर चिंता का विषय है कि कई बार राज्य सरकारें और नियामक एजेंसियां प्रभावशाली दवा कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई करने से बचती दिखाई देती हैं। धनबल और प्रभाव के कारण जांच प्रक्रियाएं धीमी पड़ जाती हैं और अंततः आम जनता ही इसकी कीमत चुकाती है। यह स्थिति लोकतांत्रिक शासन और प्रशासनिक जवाबदेही दोनों के लिए खतरनाक है।

रोगी इस उम्मीद में दवा लेते हैं कि इससे उनकी बीमारी ठीक होगी। लेकिन यह पता लगे कि जिन दवाइयों का वे सेवन कर रहे हैं वे दवा नहीं बल्कि जहर के रूप में बाजार में आ गई हैं तो क्या बीतेगी? हिंदुस्तान में आज लाखों लोगों को ये दवाएं जीवन–रक्षा नहीं दे रही है बल्कि मार रही है, इंसान का लोभ एवं लालच इंसान को मार रहा है। ऐसे स्वार्थी लोगों एवं जीवन से खिलवाड़ करने वालों को राक्षस, असुर या दैत्य कहा गया है जो समाज एवं राष्ट्र में तरह–तरह से स्वास्थ्य सुरक्षा के नाम पर मौत बांट रहे हैं। अमानक एवं गुणवत्ता में दोषपूर्ण पाई गई इन दवाओं में कई नामी कंपनियों की दवाएं भी शामिल हैं। दवा उद्योग केवल व्यापार नहीं है, यह विश्वास का उद्योग है। यहां नैतिकता का महत्व सबसे अधिक होना चाहिए। लेकिन दुर्भाग्य से आज लालच और मुनाफाखोरी ने इस क्षेत्र में भी गहरी जड़ें जमा ली हैं। नकली इंजेक्शन, मिलावटी दवाएं, एक्सपायरी दवाओं की री–पैकेजिंग और घटिया कच्चे माल के उपयोग जैसी घटनाएं यह साबित करती हैं कि समाज में संवेदनाओं का स्रोत सूखता जा रहा है। इंसान केवल अपने लाभ के लिए दूसरों की जिंदगी से खेलने को तैयार हो गया है। यह केवल कानून का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक पतन का भी संकेत है। आवश्यकता इस बात की भी है कि आम जनता को दवाओं के प्रति जागरूक बनाया जाए। दवा खरीदते समय बिल लेना, पैकेजिंग और निर्माण तिथि की जांच करना, संदिग्ध दवाओं की शिकायत संबंधित विभागों को करना और बिना चिकित्सकीय सलाह के दवाओं का सेवन न करना, ये सब छोटे लेकिन महत्वपूर्ण कदम हैं। मेडिकल स्टोरों की भी नियमित निगरानी होनी चाहिए ताकि नकली या घटिया दवाओं की बिक्री रोकी जा सके।

दवाओं की गुणवत्ता से खिलवाड़ दवा निर्माता कम्पनियों का एक घिनौना, क्रूर एवं अमानवीय चेहरा ही है जो मनुष्य के स्वास्थ्य को चैपट कर रहे हैं। एक तो बीमारियों का कोई कारगर इलाज नहीं है, दूसरा इन बीमारी में काम आने वाली तमाम जरूरी दवाइयां लालची लोगों ने अमानक एवं दोषपूर्ण कर दी हैं। बढ़ती बीमारियां इन राक्षसों के कारण ही बेकाबू हो रही है। सरकारें इन त्रासद स्थितियों एवं बीमारी पर नियंत्रण पाने में नाकाम साबित हुई है। देश के लाखों लोग कातर निगाहों से शासन–प्रशासन की ओर देख रहे हैं कि कोई तो राह निकले। भारत आज एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है।

एक ओर देश नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है, दूसरी ओर ऐसी त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण घटनाएं हमारी नैतिक और प्रशासनिक कमजोरी को उजागर कर रही हैं। यदि हम सचमुच विकसित और विश्वसनीय भारत बनाना चाहते हैं, तो हमें केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि गुणवत्ता, ईमानदारी और मानवीय मूल्यों को भी सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। जीवनरक्षक दवाओं में मिलावट केवल स्वास्थ्य का संकट नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा पर लगा कलंक है। यह समय आत्ममंथन का है। सरकार, दवा उद्योग, चिकित्सा जगत और समाज–सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि दवा जीवन बचाने का माध्यम बने, मौत का व्यापार नहीं। तभी विकसित भारत का सपना वास्तविक अर्थों में सार्थक हो सकेगा।

नजरिया

पेपर लीक से हर साल छात्रों के साथ देश को हो रहा नुकसान

अशोक भाटिया
मोबाइल : 9221232130

पेपर लीक के कारण मेडिकल डिग्री प्रवेश के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) परीक्षा रद्द होने के बाद ईमानदार छात्रों के मन में निराशा, गुस्सा, हताशा, हताशा, हताशा और हताशा महसूस की गई। माता–पिता ने इस अवसर पर निजी ट्यूशन कक्षाओं के लिए फीस का भुगतान किया। 3 मई को, छएएढ देने के बाद, छात्रों ने एक गहरी सांस ली और भविष्य के बारे में सपने देखने लगे, यात्राओं की योजना बनाने लगे। 10 दिन से भी कम समय के बाद, परीक्षा आयोजित करने वाली नेशनल टेस्टिंग कंडक्टिंग एजेंसी का कहना है कि परीक्षा रद्द कर दी गई क्योंकि परीक्षा से पहले अधिकांश प्रश्न टूट गए थे। परीक्षा में शामिल होने वाले सभी लोगों की अब फिर से जांच की जाएगी। डॉक्टरी की पढ़ाई के लिए राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा छएएढ भी 'लीकतंत्र' का शिकार हो गई। 22 लाख 79 हजार छात्रों ने दिन–रात मेहनत करके परीक्षा दी। परीक्षा खत्म होने के बाद जो मानसिक दबाव कम हुआ था, वो फिर से बढ़ गया है। लीकतंत्र ने उनकी मेहनत, उनका समय और उनके सपनों पर चोट पहुंचाई है। ये पहली बार नहीं है, जब किसी बड़ी परीक्षा को लीकतंत्र ने अपना शिकार बनाया हो। पिछले 11 सालों में 100 से अधिक बार केंद्रीय और भर्ती परीक्षाएं पेपर लीक और अनियमितताओं की भेंट चढ़ चुकी हैं।

इस बार जिस छएएढ परीक्षा का पेपर लीक हुआ है, उसकी जांच केंद्र सरकार ने उइख को सौंप दी है। उइख की जांच में आने वाले दिनों में कई बड़े खुलासे हो सकते हैं और यह भी साफ होगा कि इस पूरे खेल में कौन–कौन शामिल था। लेकिन उससे पहले यह समझना जरूरी है कि आखिर यह 'लीकतंत्र' काम कैसे करता है। कैसे लाखों छात्रों के भविष्य से जुड़ा प्रश्नपत्र परीक्षा से पहले ही बाजार में पहुंच जाता है? कैसे एक संगठित नेटवर्क मेहनत पर पैसे को भारी बना देता है? जैसा कि हमने आपको बताया, लोकतंत्र की तरह 'लीकतंत्र' भी चार अलग–अलग स्तंभों पर खड़ा दिखाई देता है। पहला स्तंभ वह एजेंसी है, जो छएएढ जैसी परीक्षाएं आयोजित करवाती है। दूसरा स्तंभ खुफिया तंत्र है, जिसकी जिम्मेदारी संभावित लीक या संदिग्ध गतिविधि का समय रहते पता लगाना होती है।लीकतंत्र का तीसरा स्तंभ पेपर माफिया हैं, जो किसी भी तरह परीक्षा से पहले प्रश्नपत्र हासिल करने की कोशिश करते हैं। लीकतंत्र का चौथा स्तंभ वे खरीदार हैं, जो लाखों रुपये में पेपर खरीदकर ईमानदार छात्रों के हक पर डाका डाल देते हैं। हम आपको लीकतंत्र के इन चारों स्तम्भों के बारे में एक–एक कर विस्तार से बताएंगे। लेकिन उससे पहले हम आपको बताते हैं कि इस बार लीकतंत्र ने किस तरह सिस्टम को हैक करके ईमानदार बच्चों के सपनों में सेंधमारी कर दी। परीक्षा से करीब 42 घंटे पहले ही क्वेश्चन पेपर के कुछ सवाल 'लीकतंत्र' के हाथ लग चुके थे।लीकतंत्र ने लीक हुए सवालों में कुछ अन्य प्रश्न जोड़कर एक पूरा क्वेश्चन बैंक तैयार किया।छात्रों तक जो क्वेश्चन बैंक पहुंचाया गया, उसमें फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के 300 से ज्यादा सवाल शामिल थे।इनमें से करीब 150 सवाल हूबहू छएएढ णत्र2026 के प्रश्नपत्र में पूछे गए।यानि 720 अंकों की परीक्षा में लगभग 600 नंबर के सवाल पहले से ही लीकतंत्र के बनाए क्वेश्चन बैंक में मौजूद थे।

गेस पेपर से परीक्षा में कुछ सवाल हूबहू आने की संभावना रहती है, लेकिन इतनी बड़ी संख्या में प्रश्न आने की संभावना बिल्कुल नहीं रहती। इसीलिए जब जांच पड़ताल हुई तो एक–एक कर इसके खुलासे होने लगे। पता चला कि सबसे पहले महाराष्ट्र में पेपर लीक हुआ था। सूत्र बताते हैं कि महाराष्ट्र के नासिक से गुरुग्राम तक एक डॉक्टर के पास पेपर पहुंचा। गुरुग्राम से जयपुर और जयपुर से सीकर और झुंझुनूं पेपर भेजा गया।वहीं से बिहार, जम्मू–कश्मीर, उत्तराखंड, केरल तक पहुंचा।

व्हाटसऐप पर 'प्राइवेट माफिया' नाम से एक ग्रुप भी बनाया गया था। इस ग्रुप में करीब 400 सदस्य जुड़े हुए थे। आरोप है कि इस ग्रुप का इस्तेमाल विशेष रूप से लीक किए गए 'गेस पेपर' और सवालों को सर्कुलेट करने के लिए किया गया। टेलीग्राम पर भी एक चैनल बनाया गया था, जिसमें छएएढ का असली पेपर होने का दावा किया जा रहा था। 1 मई से ही व्हाटसऐप और टेलीग्राम पर प्रश्नपत्र की झउ्र फाइलें तेजी से शेयर की जा रही थीं। जांच एजेंसियों ने व्हाट्सऐप चैट और टेलीग्राम रिकॉर्ड्स को अहम सबूत के तौर पर जुटाया है। इन डिजिटल रिकॉर्ड्स से यह पता चला है कि पेपर लीक का नेटवर्क सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए कितनी तेजी से फैलाया गया। एक तरफ जांच एजेंसियां सबूत इकट्ठा कर रही हैं, तो दूसरी तरफ इस पूरे नेटवर्क से जुड़े लोगों पर शिकंजा भी कसना शुरू हो गया है। राजस्थान के अलग–अलग शहरों से कई संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। जयपुर में मनीष नाम के शख्स को पुलिस ने गिरफ्तार किया है, जिस पर पेपर लीक नेटवर्क से जुड़े होने का शक है।

डॉक्टर भीमराव आंबेडकर ने कहा था कि 'मेहनत करने वाले विद्यार्थियों के साथ अन्याय, देश के भविष्य के साथ अन्याय होता है'। और ये अन्याय देश के करीब 23 लाख छात्रों के साथ हुआ है। और ये कोई पहली बार नहीं हुआ है। 2024 में भी छएएढ परीक्षा पेपर लीक और अनियमितताओं के आरोपों से घिर गई थी। बिहार और झारखंड में मामले की जांच हुई, जिसमें पेपर लीक के सबूत मिले थे और कई गिरफ्तारियां भी हुई थीं। हालांकि उस समय तो सुप्रीम कोर्ट ने पूरी परीक्षा रद्द करने से इनकार कर दिया था। लेकिन कुछ परीक्षा केंद्रों पर 1539 कैंडिडेट्स की दोबारा परीक्षा कराई गई थी। इसके अलावा 2018, 2021 और 2022 में भी छएएढ परीक्षा में अनियमितताओं और गड़बड़ियों के आरोप लगे थे। इन मामलों की जांच अब तक उइख कर रही है। और यह समस्या सिर्फ छएएढ तक सीमित नहीं रही। जब मेडिकल कॉलेजों में दाखिला छएएढ के जरिए नहीं होता था, तब भी पेपर लीक का खेल जारी था। 2011 में देश के सबसे प्रतिष्ठित अस्पताल एम्स की एंट्रेंस परीक्षा में पेपर लीक हुआ था। जांच हुई लेकिन कार्रवाई के नाम पर रस्म अदायगी हुई थी। एक बार फिर वही हुआ है। प्रश्नपत्र फिर लीक हुआ है। लेकिन इस बार मामला पहले से कहीं ज्यादा बड़ा है, क्योंकि पहली बार पूरी छएएढ परीक्षा ही रद्द कर दी गई है। देशभर में छात्र सड़कों पर उतर आए हैं। कहीं विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं, तो कहीं छात्र और अभिभावक अपनी मेहनत बर्बाद होने पर गुस्सा जाहिर कर रहे हैं। हम आपको सुनाते हैं सड़क पर उतरे छात्र क्या कह रहे हैं।

अब पुन: परीक्षा की घोषणा करने में कम से कम एक सप्ताह का समय लगेगा और फिर पुन: परीक्षा की घोषणा होने से पहले कुछ और दिन लगेंगे, और तब तक छात्रों को फिर से तैयारी करनी होगी। कोई भी इस बारे में 100 प्रतिशत निश्चित नहीं है। एनटीए की विफलता बहुत परेशान करने वाली है। एनटीए की स्थापना मूल रूप से नई तकनीक का उपयोग करके व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए परीक्षा आयोजित करने के लिए एक स्वतंत्र, स्वायत्त, पेशेवर निकाय की स्थापना, पारदर्शिता और प्रवेश परीक्षाओं के सरलीकरण के उद्देश्य से की गई थी। नीट के मामले में इनमें से कोई भी होता नहीं दिख रहा है। दो साल पहले पेपर लीक होने के बाद नियुक्त राधाकृष्णन समिति के पेपर लीक होने से पारदर्शिता बिगड़ने और कंप्यूटर आधारित परीक्षाओं का आयोजन होने के बावजूद नीट अभी भी पेपर–पेन सिस्टम में किया जा रहा है। परीक्षा में शामिल होने वाले छात्रों की संख्या को देखते हुए कंप्यूटर आधारित परीक्षा आयोजित करने के लिए कई परीक्षा सत्र आयोजित करने होंगे, प्रत्येक सत्र के लिए प्रश्नों का अलग–अलग सेट तैयार करना होगा। एनटीए ने पिछले साल (2025) कंप्यूटर आधारित परीक्षा को इस आधार पर स्थगित कर दिया था कि प्रत्येक सेमेस्टर में उपस्थित होने वाले छात्रों के अलग–अलग प्रश्न होंगे और अंकों को बराबर करना होगा। उस समय समिति की रिपोर्ट और परीक्षा की तारीख के बीच कम समय होने के कारण तैयारी के लिए समय नहीं था, इसलिए उस समय कंप्यूटर आधारित परीक्षा आयोजित नहीं करने का निर्णय कुछ समय के लिए स्वीकार किया जा सकता है। लेकिन फिर इस साल नीट आयोजित करने में क्या समस्या थी? क्या आपको लगता है कि एनटीए पूरा एक साल मिलने के बाद भी तैयारी नहीं कर पाया है? न तो एनटीए के महानिदेशक अभिषेक सिंह और न ही शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार किया। एक ही समय में सभी छात्रों के लिए पेपर–पेन परीक्षा आयोजित करना आसान नहीं है, जिसके लिए कक्षाओं को प्रदान करने से लेकर प्रश्न पत्र प्रतियां हासिल करने तक एक विशाल प्रणाली की आवश्यकता होती है।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

शिकारी जीवों का संरक्षण प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व बनाए रखने का सबसे प्रभावी तरीकाः भूपेंद्र यादव

सासन गिर (गुजरात)/भाषा। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व बनाए रखने का सबसे प्रभावी तरीका शीर्ष शिकारी प्रजातियों का संरक्षण सुनिश्चित करना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रकृति उन्हीं की रक्षा करती है जो उसकी रक्षा करते हैं। मंत्री ने यह भी कहा कि शेरों की गणना के 2025 के आंकड़ों ने यह साबित कर दिया है कि गुजरात शेर संरक्षण के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व कर रहा है।

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री जूनागढ़ जिले के सासन गिर शेर अभयारण्य में शेर संरक्षण पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। यह नई दिल्ली में आयोजित होने वाले 'इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस' (आईबीसीए) शिखर सम्मेलन 2026 से पहले विशेष कार्यक्रमों का हिस्सा है। उन्होंने कहा, ''विश्व के सभी राष्ट्रों को खासकर अंतरराष्ट्रीय सहयोग, जनता के बीच जागरूकता बढ़ाने, ज्ञान का आदान-प्रदान करने, दक्षता विकास और उत्कृष्ट संरक्षण प्रथाओं को अपनाने के मामले में एकजुट होना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि भविष्य में आईबीसीए वैश्विक दक्षताओं को मजबूत करने और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित होगा।

यादव ने कहा, ''प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व बनाए रखने का सबसे प्रभावी तरीका शीर्ष शिकारी जीवों का संरक्षण और बचाव सुनिश्चित करना है।'' उन्होंने कहा, ''हम प्रकृति संरक्षण का एक ऐसा मॉडल स्थापित करना चाहते हैं जहां पारिस्थितिकी और अर्थव्यवस्था दोनों साथ-साथ फल-फूल सकें। आज, वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न सबसे बड़ा खतरा प्रकृति के साथ हमारे पारिस्थितिक संतुलन का बिगड़ना है।'' उन्होंने कहा, ''जहां दुनिया के बाकी हिस्सों में शेरों की संख्या में 30 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है, वहीं गुजरात में 30 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।''

मंत्री ने सासन गिर को भारत की समृद्ध जैव विविधता, प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता का जीवंत प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि प्रभावी संरक्षण और प्रबंधन प्रयासों से गिर क्षेत्र के कई इलाकों में शेरों की आबादी को स्थिर करने और बढ़ाने में मदद मिली है।

कार्यक्रम को डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि केंद्र की 2,000 करोड़ रुपए की परियोजना 'प्रोजेक्ट लायन' न केवल शेरों के संरक्षण के लिए बल्कि 'ग्रेटर गिर' के समग्र विकास के हिस्से के रूप में स्थानीय समुदायों के आर्थिक और सामाजिक उत्थान के लिए भी लाभदायक होगी।

हेमा मालिनी ने 'मेरो मथुरा' ऐप की शुरुआत की, नागरिक सेवाएं होंगी डिजिटल

मथुरा/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद हेमा मालिनी ने बृहस्पतिवार को मथुरा वृंदावन नगर निगम द्वारा विकसित 'मेरो मथुरा' नामक एक ऐप की शुरुआत की। इस ऐप के माध्यम से नागरिकों को डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

अधिकारियों के अनुसार, इस ऐप का उद्देश्य अधिकतर नागरिक-केंद्रित सेवाओं को डिजिटल बनाकर सुविधा बढ़ाना, जवाबदेही सुनिश्चित करना और लोगों को सशक्त बनाना है।

कार्यक्रम में उपस्थित हेमा मालिनी ने कहा कि इस ऐप के जरिए नागरिक अब विभिन्न सेवाओं का लाभ घर बैठे ले सकेंगे, शिकायत दर्ज करा सकेंगे, आपात स्थिति में सहायता प्राप्त कर सकेंगे और बिना कार्यालय गए अपने वैधानिक कार्य पूरे कर सकेंगे। उन्होंने कहा, इससे प्रक्रिया में तेजी आएगी।

नगर आयुक्त जग प्रवेश ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि इस ऐप के माध्यम से नागरिक सड़क, जल आपूर्ति और कचरा प्रबंधन से जुड़ी शिकायतें दर्ज कर सकेंगे तथा उनकी स्थिति को ट्रैक भी कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि उपयोगकर्ता संबंधित अधिकारियों से सीधे संपर्क कर सकेंगे।

मोदी के साथ 35 साल काम करने के अपने अनुभवों पर शिवराज ने लिखी किताब 'अपनापन'

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ 35 साल काम करने के अपने अनुभव के आधार पर एक किताब लिखी है जिसे उन्होंने 'अपनापन' नाम दिया है। इसमें 1990 के दशक की शुरुआत में जमीनी स्तर पर संगठन के काम से लेकर केंद्रीय कैबिनेट तक की चौहान की यात्रा के अनुभव हैं।

चौहान ने बृहस्पतिवार को यहां एक प्रेस वार्ता में किताब की घोषणा करते हुए कहा कि यह संस्मरण 1991 की 'एकता यात्रा' के दौरान शुरू हुए रिश्ते को दिखाता है, जब वह और मोदी दोनों पार्टी कार्यकर्ता थे, और तब से चौहान मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री और मोदी के राजनीतिक सहयोगी के तौर पर काम कर रहे हैं।

चौहान ने कहा, ''दुनिया मोदी को एक निर्णायक नेता के तौर पर देखती है। मैंने उन्हें एक साधक, कर्मयोगी, देश के हित के लिए पूरी तरह समर्पित व्यक्ति के तौर पर करीब से देखा है।''

गर्मी का प्रकोप

दिल्ली में भीषण गर्मी और लू का कहर जारी है। गुरुवार को कर्तव्य पथ पर चिलचिलाती धूप से बचने के लिए खुद को कपड़े से ढककर चलती एक महिला।

फिल्म 'कर्तव्य' मेरे जीवन में आए सबसे बेहतरीन किरदारों में से एक है : सैफ अली खान

मुंबई/भाषा

अभिनेता सैफ अली खान ने फिल्म कर्तव्य को दिलचस्प किरदारों वाली एक आकर्षक और अच्छी तरह से गढ़ी गई कहानी बताते हुए कहा कि इस फिल्म में उन्हें उनके जीवन के सबसे बेहतरीन किरदारों में से एक को निभाने का मौका मिला।

भक्षक फिल्म से पहचान बनाने वाले निर्देशक पुलकित द्वारा निर्देशित यह क्राइम ड्रामा एक पुलिस अधिकारी (खान) की कहानी है, जो बढ़ते खतरों से जूझते हुए अपने कर्तव्य को निभाने के साथ ही परिवार की सुरक्षा के लिए भी संघर्ष करता है।

खान (55) ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ साक्षात्कार में कहा, मैंने 'कर्तव्य' में काम करने का फैसला किया क्योंकि मुझे इसकी पटकथा बहुत पसंद आई। मुझे लगता है कि यह एक बेहतरीन ड्रामा है और चीजों को बहुत ही दिलचस्प तरह से पिरोया गया है। मैंने इससे पहले ऐसी पटकथा नहीं पढ़ी थी, और जिन लोगों ने इसे पढ़ा और उस समय इस पर चर्चा की, उन्होंने कहा कि यह मेरे जीवन में आए सबसे बेहतरीन किरदारों में से एक है।

अभिनेता ने कहा कि कर्तव्य को अंतरराष्ट्रीय स्तर की फिल्मों की तरह फिल्माया गया है, जिसमें पुलिसकर्मी पवन को कड़े निर्णय लेने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

खान ने फिल्म कर्तव्य में अपनी भूमिका और 2006 में आई फिल्म ओमकारा में लंगड़ा त्यागी के रूप में अपने बहुचर्चित अभिनय के बीच तुलना पर भी बात की। उन्होंने कहा, ओमकारा को हिंदी भाषी क्षेत्र में काफी सराहना मिली। मुझे लगता है कि (कर्तव्य फिल्म में) आवाज इससे थोड़ी मिलती-जुलती हो सकती है; लहजा भी मिलता-जुलता हो सकता है।

'रेड चिलीज एंटरटेनमेंट्स' के बैनर तले गौरी खान द्वारा निर्मित फिल्म कर्तव्य 15 मई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। इसमें संजय मिश्रा और जाकिर हुसैन सहित अन्य कलाकार भी नजर आएंगे।

फिल्म 'सिस्टम' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा की बहुप्रतीक्षित कोर्टरूम थ्रिलर फिल्म सिस्टम का ट्रेलर मंगलवार को रिलीज कर दिया गया। अश्विनी अय्यर तिवारी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में सोनाक्षी एक सरकारी वकील नेहा राजवंश की भूमिका में हैं, जो ज्योतिका और आशुतोष गोवारिकर के साथ सत्ता और न्याय के बीच छिपी सच्चाई को उजागर करती हैं। 1 मिनट 59 सेकंड के ट्रेलर को अच्छा रिस्पांस मिल रहा है। इसकी शुरुआत एक जुनूनी युवा वकील नेहा (सोनाक्षी सिन्हा) से होती है। वह अपने पिता (आशुतोष गोवारिकर) की तरफ से मिली एक मुश्किल चुनौती को स्वीकार करती है ताकि वह उनकी फर्म में पार्टनरशिप की हकदार बन सके, लेकिन इस चुनौती को पूरा करना इतना आसान भी नहीं होता है, जिसके लिए वह सारिका (ज्योतिका) को अपने साथ शामिल करती है। वह एक तेज-तर्रार कोर्टरूम स्टेनोग्राफर है, जिसके मन में कुछ इरादे छिपे हैं। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, कोर्टरूम की जोरदार लड़ाइयों, उलझे हुए रिश्तों और कुछ दमदार पलों की एक तेज-तर्रार झलक देखने को मिलती है, जहां पर अमीरी के शोर में गरीबी की आवाज खो जाती है। फिल्म का निर्देशन और सह-लेखन अश्विनी अय्यर तिवारी ने किया। उनका मानना है कि 'सिस्टम' जैसी तमाम कहानियां हमारे आस-पास ही होती है, लेकिन लोगों के सामने नहीं आ पाती हैं। उन्होंने कहा, मेरा मानना ङ्कङ्कहै कि हमारे आस-पास अनगिनत कहानियां मौजूद हैं, लेकिन उन्हें स्क्रीन पर पूरी सच्चाई और क्रिएटिविटी के साथ उतारना मुश्किल काम है। मुझे खुद को चुनौती देना पसंद है, और शायद इसीलिए मैंने 'सिस्टम' बनाई है। मैं बहुत खुश हूं कि प्राइम वीडियो ने हमारे विजन पर भरोसा किया।

उन्होंने आगे फिल्म के कलाकारों की तारीफ करते हुए कहा, सोनाक्षी सिन्हा और ज्योतिका जैसी दो दमदार महिला किरदारों के साथ काम करना, जो इस कहानी की जान हैं, मुझे पूरा यकीन है कि यह ओरिजिनल फिल्म न सिर्फ लोगों का मनोरंजन करेगी, बल्कि भारत और दुनिया भर के दर्शकों के बीच सामाजिक मुद्दों पर चर्चा की शुरुआत भी करेगी।फिल्म में अभिनेत्री सोनाक्षी नेहा राजवंश नाम की हाई-प्रोफाइल और महत्वाकांक्षी पब्लिक प्रॉसिक्यूटर (वकील) की भूमिका में हैं। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने बताया, इस किरदार को निभाना मेरे लिए बेहद संतोषजनक अनुभव रहा है। मुझे हमेशा ऐसी कहानियां पसंद आती हैं, जो एक अभिनेता के तौर पर मुझे चुनौती दे और प्राइम वीडियो ने मुझे 'दहाड़' से लेकर अब 'सिस्टम' तक अलग अलग तरह की कहानियों और विषयों को आजमाने का मौका दिया है।उन्होंने आगे कहानी के बारे में बताते हुए कहा, इस फिल्म की कहानी उस समाज की कहानी को उजागर करती है, जहां कभी-कभी इंसाफ भी हमारे आस-पास मौजूद सामाजिक ढांचों की तरह ही बंटा हुआ नजर आता है। मैं यह देखने के लिए बेहद उत्साहित हूं कि जब 'सिस्टम' रिलीज होगी, तो दर्शक इस पर कैसी प्रतिक्रिया देंगे। ज्योतिका 'सिस्टम' में कोर्टरूम स्टेनोग्राफर सारिका का किरदार निभा रही हैं।

उन्होंने फिल्म को लेकर कहा, 'सिस्टम' में इतने गहरे और कई परतों वाले किरदार को निभाना मेरे लिए रोमांचक होने के साथ-साथ एक चुनौती भी थी। यह फिल्म आज के भारत के विरोधाभासों को दिखाती है, जहां विशेषाधिकार और असमानता, दोनों ही साथ-साथ मौजूद हैं। अश्विनी ने इस कहानी को एक साफ और दिलचस्प विजन के साथ पेश किया है। फिर चाहे वह किरदारों को अच्छे से गढ़ना हो या फिर कहानी के लिए एकदम असली जैसा माहौल तैयार करना।

नर्स बनाना चाहती थीं सनी लियोनी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड एक्ट्रेस सनी लियोनी ने फिल्मों, गानों और रियलिटी शोज के जरिए करोड़ों लोगों के दिलों में अपनी जगह बनाई है। हालांकि, उनकी जिंदगी का सफर बिल्कुल भी आसान नहीं रहा। एक समय ऐसा भी था, जब लोग उन्हें सिर्फ उनकी पुरानी पहचान से देखते थे, लेकिन सनी ने मेहनत और धैर्य के दम पर बॉलीवुड में अपनी जगह पक्की की। चमक-दमक की दुनिया में आने से पहले सनी का सपना नर्स बनने का था। वह मेडिकल फील्ड में जाकर लोगों की मदद करना चाहती थीं, लेकिन किस्मत उन्हें एक बिल्कुल अलग रास्ते पर ले गई। सनी लियोनी का असली नाम करनजीत कौर वोहरा है। उनका जन्म 13 मई 1981 को कनाडा के ओंटारियो में एक सिख पंजाबी परिवार में हुआ था। बचपन में सनी काफी शरारती स्वभाव की थीं। उन्हें खेलकूद में काफी रुचि थी। परिवार ने उन्हें अच्छी शिक्षा दी और हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। बहुत कम उम्र से ही सनी लोगों की सेवा करना चाहती थीं। इसी वजह से उन्होंने नर्सिंग की पढ़ाई में रुचि दिखाई और मेडिकल फील्ड में करियर बनाने का सपना देखा। वह गरीब और जरूरतमंद लोगों की मदद करना चाहती थीं। हालांकि जिंदगी ने उनके लिए कुछ और ही तय कर रखा था। परिवार की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के लिए सनी ने कम उम्र में काम करना शुरू कर दिया। उन्होंने एक जर्मन बेकरी में वेट्रेस की नौकरी की। इसके अलावा, टैक्स और रिटायरमेंट फर्म में भी काम किया। इसी दौरान उनकी जिंदगी धीरे-धीरे ग्लैमर इंडस्ट्री की ओर बढ़ने लगी। मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखने के बाद उन्हें नई पहचान मिलने लगी।

बाद में उन्होंने एडल्ट इंडस्ट्री में काम किया। इस दौरान उन्हें आलोचनाओं और तानों का सामना भी करना पड़ा।

पुरानी चीजें सब छोड़कर सनी नई पहचान बनाना चाहती थी। इसके लिए उन्होंने भारत का रूख किया और पहली बार रियलिटी शो 'बिग बॉस' में नजर आईं। इस शो ने उन्हें भारतीय दर्शकों के बीच नई पहचान दिलाई। शो के दौरान ही मशहूर फिल्ममेकर महेश भट्ट ने उन्हें फिल्म 'जिस्म 2' का ऑफर दिया। यही फिल्म उनके बॉलीवुड करियर की शुरुआत बनी।

इसके बाद उन्होंने 'रागिनी एमएमएस 2', 'एक पहेली लीला', 'मस्तीजादे' और कई दूसरी फिल्मों में काम किया। फिल्मों के अलावा, उ होंने टीवी शो 'एमटीवी स्प्लिट्सविला' को भी होस्ट किया और अपनी अलग पहचान बनाई।सनी की निजी जिंदगी भी काफी चर्चा में रही। उन्होंने डेनियल वेबर से शादी की और दोनों आज खुशहाल जिंदगी जी रहे हैं। दोनों ने एक बेटी निशा को गोद लिया और बाद में सरोगेसी के जरिए दो बेटों के माता-पिता बने। सनी अक्सर अपने परिवार के साथ तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करती रहती हैं।

कान फिल्म फेस्टिवल

79वें कान फिल्म फेस्टिवल के दौरान 'अन सर्टेन रिगार्ड' जूरी की अध्यक्ष और अभिनेत्री लीला बेख्ती, जूरी सदस्यों लौरा समानी, थॉमस कैली, खालिद मौज़ानार और एंगेल डियाबांग के साथ फोटोकॉल के दौरान पोज देती हुई।

प्रचार

अपनी आगामी फिल्म 'हैं जवानी तो इश्क होना है' के प्रमोशन के दौरान अभिनेता वरुण धवन, पूजा हेगड़े और मृणाल ठाकुर।

सोनाली कुलकर्णी ने लॉन्च किया 'हाफ टिकट फुल नागरिक' पॉडकास्ट

मुंबई/एजेन्सी

मराठी फिल्म इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री सोनाली कुलकर्णी ने एक नया पॉडकास्ट शो शुरू किया है, जिसका नाम 'हाफ टिकट फुल नागरिक' रखा गया है। इस शो का मकसद बच्चों और युवाओं की आवाज को एक मंच देना और उनकी सोच को समाज के सामने लाना है।

सोनाली कुलकर्णी ने इस पॉडकास्ट को लॉन्च करते हुए कहा, मुझे हमेशा से ही युवा पीढ़ी और बच्चों के विचार बहुत आकर्षित करते रहे हैं। बच्चे बेहद रचनात्मक होते हैं और उनके पास दुनिया को देखने का एक अलग नजरिया होता है। वे बिना किसी डर के अपनी बात रखते हैं और उनकी सोच में एक मासूमियत और ईमानदारी होती है, जो अक्सर बड़ों में कम देखने को मिलती है।

यही कारण है कि उनकी सोच को गंभीरता से सुना जाना चाहिए। उन्होंने कहा, समाज में अक्सर एक आदत बन गई है कि जब भी कोई फैसला लेना होता है, चाहे वह परिवार से जुड़ा हो, सफर की योजना हो या फिर पैसों से जुड़ी बात हो, बच्चों की राय को नजरअंदाज कर दिया जाता है। कई बार उन्हें केवल इसलिए शामिल नहीं किया जाता, क्योंकि वे छोटे हैं। यही रवैया धीरे-धीरे बच्चों पर मानसिक दबाव और भावनात्मक अनदेखी का कारण बन सकता है, जिसे बदलने की जरूरत है।

सोनाली कुलकर्णी ने कहा, बच्चे सिर्फ भविष्य नहीं बल्कि वर्तमान का भी अहम हिस्सा हैं। वे समाज में खुशी, संतुलन और नई ऊर्जा लेकर आते हैं। इसलिए जरूरी है कि उनकी मासूमियत को सुरक्षित रखा जाए, लेकिन साथ ही उन्हें फैसले लेने और अपनी बात रखने का अधिकार भी दिया जाए। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए मैंने इस पॉडकास्ट को एक अलग बातचीत के रूप में डिजाइन किया है।

उन्होंने कहा, इस शो के हर एपिसोड की शुरुआत किसी बड़े व्यक्ति जैसे माता-पिता, शिक्षक या मनोवैज्ञानिक से बातचीत के साथ होगी, ताकि विषय को एक संतुलित दृष्टिकोण मिल सके। इसके बाद मुख्य बातचीत बच्चों के साथ होगी, जिन्हें शो में 'हाफ टिकट' कहा जाएगा। ये बच्चे धीरे-धीरे 'पूर्ण नागरिक' बनने की यात्रा में होंगे और अपने विचार खुलकर साझा करेंगे।

शोर से दूर रहकर ही कलाकार बेहतर काम कर सकते हैं : रकुल प्रीत सिंह

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई । आज के समय में सोशल मीडिया कलाकारों के लिए यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म बन गया है जहां लोकप्रियता भी मिलती है और आलोचना भी। एक तरफ जहां फैंस अपने पसंदीदा सितारों से जुड़ पाते हैं, वहीं दूसरी तरफ ऑनलाइन ट्रोलिंग भी तेजी से बढ़ रही हैं। इसी मुद्दे पर अब अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने संग बातचीत में अपनी बेबाक राय रखी। इस दौरान उन्होंने सोशल मीडिया के प्रभाव और उससे दूरी बनाए रखने की जरूरत पर जोर दिया। से बात करते हुए रकुल प्रीत सिंह ने कहा, एक कलाकार के लिए यह बहुत जरूरी है कि वह सोशल मीडिया पर चल रहे शोर और लगातार आने वाली प्रतिक्रियाओं से खुद को अलग रखना सीखे। अगर कोई कलाकार इंटरनेट पर लिखी हर बात को दिल से लगाने लगे, तो उसका असर उसके काम और मानसिक स्थिति दोनों पर पड़ सकता है। ऐसे में जरूरी है कि उनको अपनी ऊर्जा अपने काम पर लगानी चाहिए। रकुल ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, जब मैंने अपने करियर की शुरुआत की थी, तब सोशल मीडिया इतना व्यापक नहीं था। उस समय कलाकारों को आज की तरह तुरंत प्रतिक्रिया नहीं मिलती थी, जिससे मानसिक दबाव भी कम रहता था। उस दौर में आलोचना और चर्चा का तरीका अलग था, जबकि आज के समय में हर व्यक्ति अपनी राय तुरंत और मुखर होकर सोशल मीडिया पर व्यक्त करता है।

उन्होंने आगे कहा, कोरोना महामारी के बाद सोशल मीडिया का इस्तेमाल काफी बढ़ गया है। पिछले कुछ सालों में लोगों के पास ज्यादा समय था। इसका असर यह हुआ कि अब हर विषय पर लोगों की राय बहुत तेजी से सामने आती है और कलाकारों को लगातार आलोचना और टिप्पणियों का सामना करना पड़ता है।

रकुल प्रीत सिंह ने कहा, एक अभिनेता को इस शोर से खुद को दूर रखना चाहिए। कलाकार का काम अभिनय करना और अपने किरदार को बेहतर तरीके से निभाना है, न कि हर ऑनलाइन ट्रोलिंग का जवाब देना। अगर कोई व्यक्ति सोशल मीडिया की हर बात को गंभीरता से लेने लगेगा, तो उसका ध्यान भटक जाएगा और उसका काम भी प्रभावित हो सकता है। उन्होंने आगे कहा, मानसिक रूप से मजबूत रहना आज के समय में कलाकारों के लिए बहुत जरूरी है। मुझे लगता है कि हर अभिनेता को अपने चारों ओर एक दीवार बनानी चाहिए, ताकि बाहरी नकारात्मकता सीधे उनके काम पर असर न डाल सके। कभी-कभी सोशल मीडिया से दूरी बनाना और ब्लाइंडर्स लगाकर सिर्फ अपने काम पर ध्यान देना ही सही तरीका होता है।

नेत्र जांच शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के अविशा स्माइल्स डेंटल क्लिनिक में 43वां निशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन अग्रवाल आई हॉस्पिटल के सहयोग से किया गया। रणजीत शाह, सुंदरलाल, किशोर जोशी, उगमराज सुराना, डॉ.योगिता और हितेश जैन ने व्यवस्था संभाली। शिविर में 36 लोगों ने आंखों की निशुल्क जांच कराई। 6 लोगों को चश्मे दिए जाएंगे और 9 लोगों की मोतियाबिंदु सर्जरी कराई जाएगी।

एसआरएम ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में अंगदान जागरूकता अभियान का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के एसआरएम ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के अध्यक्ष डॉ. आर. शिवकुमार के 60वें जन्मदिन के अवसर पर कॉलेज के रामापुरम और त्रिची परिसरों में अंगदान जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्टेनली एलुमनाई एसोसिएशन ने एसआरएम ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में अंगदान जागरूकता को बढ़ावा देने तथा छात्रों और संकाय सदस्यों को प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस कार्यक्रम के तहत, 60 से अधिक एसआरएम ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशंस के कर्मचारियों ने स्वेच्छा से स्टैनली एलुमनी एसोसिएशन को अंगदान प्रतिज्ञा पत्र जमा किए जिसमें उन्होंने एसोसिएशन द्वारा आयोजित अंगदान जागरूकता कार्यक्रम से प्रेरित होकर अंगदान के माध्यम से जीवन बचाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की।इस अवसर पर स्टैनली एलुमनाई एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. एस. वरदराजन, एसोसिएशन के वित्त सचिव डॉ. सरवनन वेदगिरी डॉ. बाबा और डॉ. प्रेम सहित एसआरएम ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशंस के निदेशक, संस्थान प्रमुख, संकाय सदस्य, कर्मचारियों सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

ऊटी फ्लावर शो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नीलगिरी ज़िले के ऊटी रोज़ गार्डन में गुरुवार को 21वां रोज़ फ्लावर शो शुरू हुआ। इस पांच दिवसीय शो में पक्षियों का स्वर्ग थीम पर आधारित, अलग-अलग तरह के पक्षियों को दर्शाने वाली शानदार प्रतिकृति बनाई गई। यह प्रतिकृतियां दो लाख गुलाबों से बनाई गई है जो पर्यटकों को लुभाने के लिए सजाई गई हैं। नीलगिरी ज़िले में गर्मियों का मौसम शुरू होने के साथ ही पर्यटकों की रोज़ाना की आमद लगातार बढ़ रही है। नीलगिरी की ज़िला कलेक्टर लक्ष्मी प्रिया ने इस प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

धन कमाना आसान है, लेकिन 'धर्म' कमाना अत्यंत कठिन होता है : डॉ. समकितमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मंजूनाथनगर शिवनगर स्थित जैन भवन में विराजित डॉ. समकितमुनिजी ने गुरुवार को एक श्रद्धालु के निवास पहुंचकर अपने प्रवचन में 'कर्म और धर्म' के अत्यंत गूढ़ रहस्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि धर्म से ही हमारा जीवन सुरक्षित होता है और उसी से जीवन सजता है। कई बार लोगों के मन में यह शंका उठती है कि हम इतना धर्म-ध्यान करते हैं, फिर भी जीवन में परेशानियां क्यों बनी रहती हैं? यदि धर्म करने पर भी विपत्ति आए, तो उसे अपने 'पूर्व के पाप कर्मों का उदय' समझना चाहिए। याद रखें, निर्जरा के माध्यम से पाप कर्मों के फल को तो टाला या कम किया जा सकता है, लेकिन आपके द्वारा किए गए 'धर्म' का फल कभी निष्फल नहीं होता। धर्म का फल आपको अवश्य मिलेगा, इसमें देर हो सकती है, लेकिन अंधेर बिल्कुल नहीं है। ङ्गसंतश्री ने कहा, इस भौतिक दुनिया में सब कुछ प्राप्त करना संभव है। आज के समय में धन कमाना बहुत कठिन नहीं है, लेकिन एक सच्चा 'धर्म' कमाना और उसे जीवन में धारण करना अत्यंत कठिन है। तीर्थंकर भगवंतों ने भी इस मानव जीवन और जिनधर्म की प्राप्ति को अत्यंत दुर्लभ बताया है। गुरुदेव ने जीवन के अर्थशास्त्र को समझाते हुए एक अद्भुत सूत्र दिया कि यह मानव भव हमारी 'मूल पूंजी' है। यदि सामायिक, त्याग, तप, दान और शील की आराधना के माध्यम से हम इस पूंजी में वृद्धि करते हैं, तो निश्चित रूप से देवगति और सद्गति की प्राप्ति होगी। लेकिन यदि प्रमाद और पाप में पड़कर हमने अपनी यह मूल पूंजी ही गँवा दी, तो दुर्गति होना भी निश्चित है, इसलिए जो मिला है, उसकी सुरक्षा करें। धर्म अनुसार जीवन जीने से ही यह जीवन एक वरदान बनता है।ङ्गगुरुदेव ने समाज की दोहरी मानसिकता पर गहरी चोट करते हुए कहा कि जिस प्रकार आप संसार में धन कमाने, व्यापार बढ़ाने और भौतिक सुखों के लिए बड़े-बड़े लक्ष्य निर्धारित करते हैं, उसी प्रकार जीवन में 'धर्म' का भी एक लक्ष्य बनाओ। धन की चिंता करना छोड़ दो और धर्म का चिंतन शुरू करो। हमारी मानसिकता कैसी हो गई है कि हमारी 'कथनी और करनी' समान नहीं है। आसक्ति के त्याग का संदेश देते हुए गुरुदेव ने कहा कि प्राण छूटने से पहले जो संसार की आसक्ति को छोड़ देते हैं, वे इतिहास में अमर हो जाते हैं और जो जीवन रहते आसक्ति को छोड़ नहीं पाते, अंततः यह निर्मम कालचक्र उन्हें छोड़ता नहीं है। मंजूनाथनगर के श्रावकों द्वारा गुरुदेव का भव्य स्वागत किया गया। इस मौके पर समकितमुनिजी के आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी गई।

जेजीवीवी ट्रस्ट ने निशुल्क पुस्तकों के लिए विद्यार्थियों से आवेदन आमंत्रित किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। जेजीवीवी ट्रस्ट का जयगोपाल गरोडिया चैरिटेबल बुक बैंक अन्नानगर में संचालित है। इस बुक बैंक ने कॉलेज छात्रों से निशुल्क बुक्स प्राप्त करने के लिए आवेदन आमंत्रित किए है।

आवेदन फ़ॉर्म और उपलब्ध किताबों की सूची www.jgvvbookbank.org से देखी जा सकती है। बुक बैंक में कॉमर्स, अकाउंट्स, साइंस, आर्ट्स, कंप्यूटर साइंस, मैनेजमेंट स्टडीज़ आदि विषयों के लिए 600 शीर्षकों के तहत चालीस हज़ार से ज़्यादा किताबें हैं।

कॉलेज अधिकारियों द्वारा सत्यापित भरा हुआ आवेदन फ़ॉर्म, साथ में छात्र के निवास का प्रमाण, काम-काज के दिनों में सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे के बीच व्यक्तिगत रूप से जमा करना होगा।

इसमें कोई सिक्योरिटी डिपॉज़िट या प्रोसेसिंग फ़ीस नहीं लगेगी। परीक्षाएँ समाप्त होने के बाद किताबें वापस करनी होंगी। यह बुक बैंक पिछले 26 वर्षों से परोपकारी जयगोपाल गरोडिया के सपने को साकार करने के लिए काम कर रहा है। अब तक, पूरे राज्य के 250 कॉलेजों से लगभग एक लाख बीस हज़ार छात्र इस सुविधा से लाभान्वित हो चुके हैं।

सैपियन्स हेल्थ फाउंडेशन ने मनाया 'विश्व नमक जागरूकता सप्ताह'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के स्वयंसेवी संस्था सैपियन्स हेल्थ फाउंडेशन ने बुधवार को 'विश्व नमक जागरूकता सप्ताह-2026' मनाया। यह विशेष कार्यक्रम इंडियन ओवरसीज़ बैंक के केंद्रीय कार्यालय, चेन्नई में आयोजित किया गया। इंडियन ओवरसीज़ बैंक के प्रबंध निदेशक व सीईओ अजय कुमार श्रीवास्तव इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। उन्होंने नमक की मात्रा कम करने से संबंधित एक मार्गदर्शिका (गाइड) की पुस्तिकाएँ तीन अलग-अलग भाषाओं अंग्रेज़ी, हिंदी और तमिल में जारी की गई। नमक की मात्रा कम करने की इस मार्गदर्शिका पर आधारित एक जागरूकता वीडियो भी जारी किया गया।

यह सरल मार्गदर्शिका भारतीयों द्वारा औसतन खाए जाने वाले नमक की मात्रा पर प्रकाश डालती है और खाना बनाते समय, खरीदारी करते समय तथा रेस्तराँ में भोजन करते समय नमक की मात्रा कम करने के लिए उपयोगी सुझाव देती है। सैपियन्स हेल्थ फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ. राजन रविचंद्रन ने बैंक के कर्मचारियों के सामने एक प्रेजेंटेशन देकर इस विषय पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि डब्लयूएचओ के अनुसार, नमक की मात्रा को 30% तक कम करने का लक्ष्य अभी तक वैश्विक स्तर पर हासिल नहीं किया जा सका है। लगभग 92 देशों ने इस संबंध में किसी न किसी रूप में कानून लागू किए हैं और वे इस कमी के लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में काम कर रहे हैं। अब समय आ गया है कि भारत भी सोडियम की अनिवार्य फूड लेबलिंग लागू करे और बड़े पैमाने पर भोजन की खरीद वाले क्षेत्रों में नमक की मात्रा कम करने के उपाय करे। डॉ. राजन रविचंद्रन ने श्रोताओं से अपील की कि वे खाना पकाने के लिए कम सोडियम वाले नमक के विकल्प का इस्तेमाल करें।

भाजपा ने सतीशन को मुख्यमंत्री बनाने में आईयूएमएल के प्रभाव का आरोप लगाया, 'मीम' साझा किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवंनतपुरम। कांग्रेस द्वारा बृहस्पतिवार को वीडी सतीशन को केरल का मुख्यमंत्री नामित किए जाने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य इकाई ने आरोप लगाया कि अगले पांच वर्ष तक राज्य पर प्रभावी रूप से इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) का ही शासन रहेगा। भाजपा ने सोशल मीडिया के माध्यम से कांग्रेस और मुस्लिम लीग के नेतृत्व को निशाना बनाते हुए कई 'मीम' साझा किए। भाजपा ने 'फेसबुक' पर ऐसा ही एक मीम साझा किया जिसमें मुस्लिम लीग की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष सैयद सादिक अली शिहाब थंगल को केंद्र में दर्शाया गया है जबकि कांग्रेस नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे उनके सामने झुकते हुए दिखाई दे रहे हैं और सतीशन उन्हें पंखा झलते हुए नजर आ रहे हैं। भाजपा ने 'फेसबुक' पर एक पोस्ट में दावा किया कि कांग्रेस विधायकों के बीच बहुमत का समर्थन न होने के बावजूद सतीशन को मुस्लिम लीग के दबाव में चुना गया।

पोस्ट में आरोप लगाया गया कि मुस्लिम लीग अपनी मांगों को मनवाने की कोशिश कर रही है,

देव, गुरु, धर्म के प्रति विनय भाव प्रकट करने वाला कल्याण के मार्ग पर चल सकेगा : आचार्यश्री पार्श्वचंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गणेशबाग में गतिमान आत्म आराधना उपधान प्रथम सोपान में आचार्यश्री पार्श्वचंद्रजी ने आराधकों को संबोधित करते हुए कहा कि नवकार महामंत्र का पहला पद णमो विनय का बोधक है। जहां विनय है वहां सारे गुण आ जाते हैं। हृदय में नमन की भावना रखनी चाहिए। देव, गुरु, धर्म के प्रति विनय भाव प्रकट करने वाला कल्याण के मार्ग पर चल सकेगा। उन्होंने कहा कि अरह अर्थात योग्यता जगाने वाला। अरिहंत के 12 विशिष्ट गुण होते हैं। अरिहंत परमात्मा का आश्रय लेकर आत्मा के भीतर पुरुषाकार पराक्रम जगाकर अनंत आत्म सामर्थ्य को प्रकट किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अरिहंत परमात्मा का ध्यान श्वेत वर्ण से किया जाता है। श्वेत वर्ण सर्वश्रेष्ठ ध्यान शुक्ल ध्यान का प्रतीक है। शुक्ल ध्यान की उत्कृष्टता से अरिहंत स्वरूप की प्राप्ति की जा सकती है।ङ्ग पदमचंद्रमुनि जी ने जीवन में व्रत आराधना का महत्व प्रतिपादित करते हुए कहा कि 5 अणुव्रत मूल नीव है। पहला व्रत धारण करते ही चौथे गुणस्थान से पांचवें गुणस्थान में आरोहण हो जाता है। व्रत धारण करने से पहाड़ जितना पाप राई जितना रह जाता है। जब आगे के गुणव्रत धारण किए जाते हैं तो पाप के बंधन और कम हो जाते हैं। जब तक संयम की अंतराय नहीं टूटती है तब तक के लिए श्रावक एक व्रतधारी से 12 व्रतधारी श्रावक बन सकता है।

श्रमणभूत प्रतिमा के जैसे उपधान तप श्रावक जीवन में सर्वोच्च साधना है। कोई द्रव्य से साधु होता है, कोई भाव से साधु होता है। कोई द्रव्य और भाव दोनों से साधु होते हैं, वही सर्व श्रेष्ठ साधु अवस्था है। किन्तु जिस समय मोह दशा का उदय प्रारम्भ हो जाता है उस समय उसके भाव चले जाते हैं और वह मात्र द्रव्य साधु रह जाता है। अगर भाव गिर गए तो वह मिथ्यात्व में भी जा सकता है। लेकिन द्रव्य यदि बना रहा तो वह उसमें जोश जागृत कर देता है और वह पुनः भावों में उन्नति कर सकता है एवं आत्मा का उत्थान करके उसी भव में भी मोक्ष जा सकता है। जो उपधान तप करते हैं वे साधुत्व की चर्या को जानते हैं, समझते हैं और उपधान के माध्यम से साधु जीवन का प्रयोगात्मक रूप में अनुभव कर लेते हैं। उपधान तप की सम्यक आराधना वैराग्य भावों को पुष्ट करने वाली होती है और मोक्ष मार्ग का आराधक बनाने वाली होती है। ङ्गङ्गजयकलशमुनिजी एवं जयसुबोधमुनिजी ने भी संयम की महानता दर्शाती गीतिका प्रस्तुत की। प्रातः काल में समणी निदेशिका डॉ. सुयशनिधि ने आराधकों को अणुप्पेहा ध्यान साधना का सुंदर प्रशिक्षण दिया। आयोजन के संयोजक राजेंद्रकुमार नाहर ने बताया कि आराधकों ने आराधना की क्रियाएं संपन्न की। सह संयोजक कोमलचंद धोका, जयमल जैन श्रावक संघ के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष रेवंतमल नाहर, श्रेयांस पारणा समिति के कोषाध्यक्ष महावीरचंद श्रीश्रीमाल, आदि ने आराधकों की अनुमोदना की एवं सेवाएं प्रदान की। संचालन मनोहरलाल डूंगरवाल ने किया।

जीवन विकास का सबसे बड़ा शत्रु है विलासिता : राष्ट्रसंतश्री कमलमुनि

बेंगलूरु। शहर के हीराबाग जैन स्थानक में विराजित राष्ट्रसंतश्री कमलमुनिजी कमलेश ने अपने प्रवचन में कहा कि विलासिता जिसके ऊपर हावी हो जाती है, वह उसी का गुलाम बनकर उन कीटाणुओं से उसका शरीर खोखला हो जाता है। उसका इम्युनिटी पावर समाप्त हो जाता है। जहां विलासिता होगी वह साधना की शुरुआत नहीं हो सकती। जैसे दिन और रात एक साथ नहीं रह सकते, वैसे ही जीवन में विलासिता और साधना एक साथ नहीं रह सकते। विलासिता और साधना में 36 का आंकड़ा है। उन्होंने कहा कि विलासिता विकास का सबसे बड़ा शत्रु है। मुनिश्री कमलेश ने बताया कि विलासिता से घिरा हुआ व्यक्ति अनेक रोगों का शिकार बन जाता है। आत्मा में कर्मों का संचय होता है, धन की बर्बादी करता है, संस्कृति और संस्कारों की होली करता है, चरित्र का सूर्योदय उसके जीवन में नहीं हो सकता। मुनिवर ने कहा कि विश्व के सभी धर्म ने विलासिता को पतन का कारण बताया, इसका त्याग किए बिना विकास का मार्ग प्रशस्त नहीं हो सकता।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.